राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 05 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–285 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली की हवा में मामूली सुधार, धुंध की मोटी परत बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषण का जहर घुला हुआ है। जहरीली हवा में सांस लेने की वजह से लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। ऐसे में थोड़ी सी राहत की खबर आई है। दरअसल, हवा की अपेक्षाकृत बेहतर गति के कारण रातभर में प्रदूषण के स्तर में मामूली गिरावट आई है। हालांकि पीएम 2.5 की सांद्रता अब भी विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित स्वस्थ सीमा से करीब 80 गुना अधिक है। सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) के अनुसार दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।

आसमान पर छाई धुंध की मोटी चादर

राजधानी में शनिवार को लगातार पांचवें दिन धुंध की एक घनी हानिकारक परत छायी हुई है। दिल्ली-एनसीआर के कई स्थानों पर पीएम2.5 की सांद्रता 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सुरक्षित सीमा से सात से आठ गुना अधिक रही। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित स्वस्थ सीमा (पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से 80 से 100 गुना अधिक है। दिल्ली-एनसीआर में पारा गिरने, हवा के मंद पड़ने और पंजाब एवं हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने के कारण पिछले सप्ताह से वायु गुणवत्ता में गिरावट आनी शुरू हुई।

27 अक्टूबर से तीन नवंबर के बीच 200 अंक बढ़ा एक्यूआई

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 27 अक्टूबर और तीन नवंबर के बीच 200 अंक से अधिक बढ़ा है जिससे शुक्रवार को यह %अति गंभीर% (450 से अधिक) श्रेणी में पहुंच गया। वहीं शुक्रवार को शाम चार बजे एक्यूआई 468 से कम होकर शनिवार सुबह छह बजे तक 413 दर्ज किया गया। शुक्रवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई (468) 12 नवंबर 2021 को दर्ज किए गए 471 एक्यूआई के बाद से सबसे अधिक दर्ज किया गया। दिल्ली दुनिया में सबसे खराब गुणवत्ता वाली राष्ट्रीय राजधानियों में शामिल रही।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक तक प्रदूषण से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

अमित शाह के समझाने पर भी नहीं माने, एमपी में इन सीटों पर भाजपा को बागियों से मिल रही चुनौती

अमित शाह ने राज्य के सभी संभागों का दौरा कर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया था। इस दौरान उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की भी बात की थी और बागियों की ज्यादा परवाह न करने को कहा था।

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में चुनाव मैदान में भाजपा को सत्ता बरकरार रखने के लिए कांग्रेस के साथ अपने बागियों की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। टिकट न मिलने से नाराज नेता लगभग दर्जन भर सीटों पर पार्टी के समीकरण प्रभावित कर सकते हैं। इनमें से कुछ ने तो दूसरे दलों का दामन भी थाम लिया है। भाजपा नें प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा है, ताकि जीत सुनिश्चित की जा सके। हालांकि उसे कई सीटों पर अपने ही बागियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के सभी संभागों का दौरा कर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया था। इस दौरान उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की भी बात की थी और बागियों की ज्यादा परवाह न करने को कहा था। दरअसल, भाजपा के राज्य व केंद्र के नेताओं ने बागी नेताओं को समझाने बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन कुछ नेताओं ने निर्दलीय और कुछ ने दूसरे दलों का दामन थाम कर चुनाव लड़ने का फैसला किया। ऐसे में पार्टी इन सीटों को लेकर काफी सतर्कता भी बरत रही है। जिन सीटों

पर उसे बागी नेता दिक्कत पहुंचा सकते हैं उनमें बुरहानपुर, निवाड़ी, जबलपुर उत्तर मध्य, टीकमगढ़, मुरैना, लहार, बड़वारा, सीधी व भिंड शामिल हैं।

बुरहानपुर सीट पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार चौहान के बेटे हर्षवर्धन सिंह बागवत कर चुनाव मैदान में है। पार्टी ने यहां पर पिछली बार चुनाव हारी अर्चना चिटनीस को ही फिर से टिकट दिया है। निवाड़ी सीट पर पार्टी टिकट न मिलने से नंदराम कुशवाहा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पार्टी प्रत्याशी अनिल जैन की दिक्कतें बढ़ी हैं। जबलपुर उत्तर मध्य में कमलेश अग्रवाल बागवत कर चुनाव लड़ रहे हैं। टीकमगढ़ सीट पर पूर्व विधायक के के श्रीवास्तव इस्तीफा देकर चुनाव मैदान में उतर गए हैं।

मुरैना सीट पर पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के बेटे राजेश सिंह पार्टी का टिकट न मिलने से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। रुस्तम सिंह ने भी बेटे के लिए बसपा का दामन थाम लिया है। लहार सीट पर पिछली बार चुनाव लड़े रसाल सिंह इस बार बसपा से चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी ने यहां पर उनकी जगह अंबरीष शर्मा को टिकट दिया है।

- भाजपा नें प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा है, ताकि जीत सुनिश्चित की जा सके। हालांकि उसे कई सीटों पर अपने ही बागियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के सभी संभागों का दौरा कर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया था।

बड़वारा सीट पर पूर्व मंत्री मोती कश्यप और सीधी सीट पर पेशाब कांड में चर्चित केदारनाथ शुक्ल टिकट न मिलने से बगावत कर चुनाव लड़ रहे हैं। सीधी से भाजपा ने सांसद रीति पाठक को चुनाव मैदान में उतारा है। भिंड सीट पर भाजपा ने नरेंद्र सिंह कुशवाह को टिकट दिया है। यहां पर मौजूदा विधायक संजीव सिंह कुछ समय पहले बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन टिकट न मिलने पर वह वापस बसपा में चले गए हैं। अब वह बसपा से चुनाव लड़ रहे हैं।

BJD ने भी खेला हिंदुत्व कार्ड, राम मंदिर से पहले होगा जगन्नाथ कॉरिडोर का उद्घाटन

भुवनेश्वर। 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने वाले हैं। हालांकि, इससे ठीक पहले यानी 17 जनवरी को ओडिशा में जगन्नाथ कॉरिडोर का उद्घाटन किया जाएगा। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने बहुप्रतीक्षित श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना की तैयारी कर ली है। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर कॉरिडोर के सौंदर्यीकरण के लिए 943 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अगले साल अप्रैल में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले यह काफी महत्वपूर्ण है। पुरी के राजा गजपति दिब्यसिंघा देब ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भगवान जगन्नाथ के पहले सेवक माने जाने वाले गजपति ने कहा, ÷परिक्रमा परियोजना पूरी होने के करीब है और इसे 17 जनवरी 2023 को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उस दिन पूजा और हवन भी किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक रंजन कुमार दास ने कहा कि 17 जनवरी को उद्घाटन समारोह बड़े पैमाने पर होगा। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से श्रद्धालु आएंगे। उद्घाटन के लिए हवन और पूजा कई दिनों तक चलेगी। जो लोग दस साल पहले पुरी आए थे उन्हें अब बड़ा अंतर नजर आएगा। कटक स्थित वकील मृणालिनी पाधी की याचिका पर नवंबर 2019 में न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की 3 सदस्यीय पीठ के फैसले और 2017 में उड़ीसा हाईकोर्ट से रिटायर हुए न्यायाधीश बीपी दास की सिफारिश के बाद इस परियोजना की कल्पना की गई थी। इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण नवंबर 2019 में शुरू हुआ। मंदिर के आसपास रहने वाले 600 से अधिक लोगों ने सुरक्षा क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण 15.64 एकड़ जमीन छोड़ दी। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने नवंबर 2021 में जगन्नाथ मंदिर की चारदीवारी के 75 मीटर के गलियारे के भीतर क्षेत्र के विकास के लिए परियोजना की आधारशिला रखी। करीब 6,000 श्रद्धालु, सामान जांच सुविधा, लगभग 4000 परिवारों का सामान रखने के लिए अलमारी, पीने का पानी, शौचालय की सुविधा, हाथ-पैर धोने की सुविधा, छाया और आराम के लिए आश्रय मंडप, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन वाहनों को समायोजित करने के लिए शटल सह आपातकालीन लेन, एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र की व्यवस्था की गई है।

अदालतों में कैसे बढ़ेगी पिछड़ों और महिलाओं की संख्या, चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया तरीका

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालतों में अब महिलाओ की हिस्सेदारी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि किस तरह से न्यायालय में पिछड़ों और महिलाओं की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने एक पुस्तक का हवाला देते हुए कहा कि अगर पिछड़ों को बेहतर अवसर देने हैं तो हमें सबसे पहले इसके फायदे देखने होंगे। इसे समावेशी तरीके से समझना होगा। उच्च शिक्षा में महिलाएं कम जा रही हैं। ज्यादातर टेस्ट भी अंग्रेजी में होते हैं। ऐसे में वे लोग पीछे हो जाते हैं जो कि अंग्रेजी के माहौल से नहीं आते हैं। उन्होंने कहा, सीनियर के चैंबर में प्रवेश पाने के लिए भी एक अनौपचारिक प्रक्रिया है। ऐसे में बहुत सारे लोग आगे नहीं बढ़ पाते। लेकिन एक अच्छी बात बताना चाहूंगा। पूरे भारत में जिला स्तर की अदालतों में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं की नियुक्ति हो रही है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की जिला अदालतों में 120 में से 70 महिलाओं की नियुक्ति होती है। जब लॉ फर्म में महिलाओं की नियुक्ति होती है तो एक माइंडसेट होती है कि महिलाओं पर परिवार की भी जिम्मेदारी होती है, बच्चे भी पालने

होते हैं। जब तक हम इस सोच को नहीं बदलेंगे तब तक सुधार संभव नहीं है। जब तक हम पिछड़ों और महिलाओं को निचले स्तर पर शामिल करना नहीं शुरू करेंगे ऊपरी स्तर पर सुधार नहीं होगा। लेकिन विश्वास मानिए कि बदलाव शुरू हो गया है। अगले 10 साल में महिलाएं ऊपरी स्तर पर जिम्मेदारी लेंगी। सीजेआई ने कहा, अब तो सशस्त्र सेना में भी महिलाओं के अधिकारी बनने का रास्ता खुल गया है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, कोर्ट तीन मुख्य काम करते हैं। न्यायालय सामाजिक जुड़ाव के लिए और संवाद का भी माध्यम बनते हैं। इससे समाज के विचारों का भी पता चलता है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में 56 हजार से अधिक मतदाता करेंगे घर बैठे मतदान

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में 56 हजार से अधिक मतदाता घर बैठे मतदान करेंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनावों में घर बैठे मतदान की पहल की गई है और इस चुनाव में पात्र 56 हजार 102 मतदाता विकल्प के तौर पर अब तक इस सुविधा के लिए आवेदन कर चुके है।

श्री गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के 42 हजार 799 मतदाता एवं विशेष योग्यजन के रूप में 10 हजार 803 मतदाता इस सुविधा के लिए आवेदन किया हैं। इनके अलावा इनमें करीब ढाई हजार सर्विस मतदाता भी शामिल हैं।

प्रदेश में विधानसभा आम चुनाव में पहली बार दी जा रही इस सुविधा के लिए शनिवार तक जिन मतदाताओं ने आवेदन किया वे इसका फायदा उठा सकेंगे। हालांकि सर्विस मतदाता चार नवंबर के बाद भी इसके लिए आवेदन कर सकता है।

उन्होंने बताया कि समावेशी चुनाव की दिशा में आयोग ने यह नवाचार किया है ताकि 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से

अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाता घर बैठे मतदान कर सके ।

उन्होंने बताया कि इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर होम वोटिंग की सुविधा के लिए योग्य मतदाताओं को इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

'मुश्किल की घड़ी में नेपाल के साथ खड़ा भारत', पीएम मोदी ने दिया हर संभव मदद का भरोसा

नई दिल्ली। शुक्रवार देर रात को नेपाल में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसमें जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानमाल की हानि और क्षति पर दुख व्यक्त किया है। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस घड़ी में भारत उनके साथ खड़ा है और हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नेपाल में भूकंप के कारण जानमाल की हानि और क्षति से बहुत दुखी हूं। भारत नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

शुक्रवार आधी रात से ठीक पहले पश्चिमी नेपाल के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में आए 6.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें अब तक लगभग 128 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल है। अस्पतालों के बाहर घायलों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है और हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। कई मकान, स्कूल और अन्य संस्थान ध्वस्त हो गए। माना जा रहा है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि कई जगह रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

उत्तर भारत में भी कांपी धरती

राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, भूकंप रात को 11.47 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र जजरकोट जिले में था। इस भूकंप के झटके उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में भी महसूस किए गए थे। दिल्ली-एनसीआर, पटना, देहरादून आदि में भी धरती कांपी थी, जिसके कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, किसी तरह की क्षति की जानकारी नहीं मिली है।

नेपाल में भूकंप से मची तबाही, अब तक 250 लोगों की मौत; भारत में भी लगे तेज झटके

काठमांडू। नेपाल में शुक्रवार रात 6.4 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप में नेपाल में अब तक 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। 150 से अधिक लोगों के घायल होने की भी सूचना है। रुकुम पश्चिम में 36 और जाजरकोट में 34 लोग मारे गए हैं। रुकुम पश्चिम के डीएसपी नामराज भट्टराई और जाजरकोट के डीएसपी संतोष रोक्का के हवाले से न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है। जाजरकोट जिले के पुलिस उपाधीक्षक संतोष रोका ने कहा, शनिवार सुबह 3 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार, जाजरकोट और पश्चिमी रुकुम में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। अकेले जाजरकोट में 44 मौतें हुई हैं। रोका ने बताया कि मृतकों में नलगढ़ नगर पालिका की उपमहापौर सरिता सिंह भी शामिल हैं। जजरकोट में 55 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उनमें से पांच को सुरखेत के करनाली प्रांत अस्पताल ले जाया गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' शनिवार

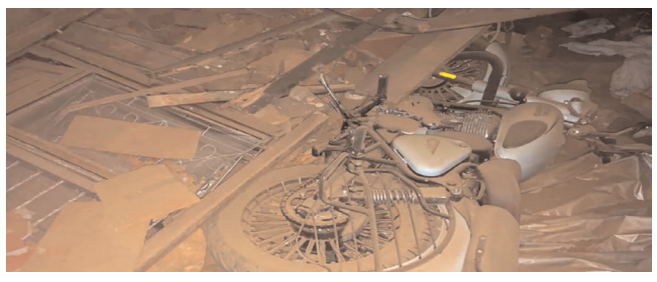

सुबह एक चिकित्सकीय दल के साथ घटना स्थल रवाना हुए। उन्होंने बताया कि नेपाल सेना और नेपाल पुलिस को बचाव कार्य में लगाया गया है। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि पश्चिमी रुकुम में मरने वालों की संख्या 36 तक पहुंच गई है। पश्चिमी रुकुम जिले के पुलिस उपाधीक्षक नमराज भट्टाराई ने इसकी जानकारी दी है। आथबिस्कोट नगर पालिका में 36 लोगों के मरने की सूचना है। सानीभेरी ग्रामीण नगर पालिका में पांच और लोगों की मौत हुई है। आपको बता दें कि रात करीब 11 बजकर 32 मिनट पर आए भूकंप के कारण लोगों को अपने घरों से बाहर निकलना पड़ा। भूकंप का केंद्र नेपाल में अयोध्या से लगभग 227 किलोमीटर उत्तर और काठमांडू से 331 किलोमीटर पश्चिम उत्तर-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई में था। नेपाल में एक महीने में तीसरी बार तेज भूकंप आया है। गुरुग्राम के निवासी इंद्रजीत सिंह ने कहा, जब हम टेलीविजन देख रहे थे, तभी काफी देर तक झटके महसूस हुए। गाजियाबाद के रहने वाले गोपाल ने कहा कि झटके 15 सेकंड से ज्यादा देर तक महसूस हुए। उन्होंने कहा, मुझे खिड़की के शीशे की खड़खड़ाहट भी सुनाई दी भूकंप के झटके दिल्ली से सटे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए, जिसके चलते ऊंची इमारतों में रहने वाले कई लोग बाहर निकल आए। नोएडा सेक्टर-76 में एक ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के निवासी प्रत्यूष सिंह ने कहा, वास्तव में बहुत तेज झटके महसूस हुए। यह एक बेहद डरावना एहसास था। भूकंप के झटके उत्तर प्रदेश के लखनऊ, बस्ती, बाराबंकी, फिरोजाबाद, अमेठी, गोंडा, प्रतापगढ़, भदोही, बहराइच, गोरखपुर और देवरिया जिलों के अलावा बिहार के कटिहार, मोतीहारी तथा पटना में भी महसूस किए गए।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के खिलाफ

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में प्रदूषण की खतरनाक धुंध का गाढ़ा होना न केवल दुखद, बल्कि गंभीर चिंता की बात है। दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार सुबह 11 बजे 475 पाया गया, जो पिछले साल से ज्यादा है और अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लोग आमतौर पर इस प्रदूषण को अपनी सांसों व आंखों में महसूस करने लगे हैं। वायु गुणवत्ता बहाल करने के लिए हरसंभव उपाय करने की जरूरत आ खड़ी हुई है। आने वाले दिनों में अगर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) खराब होती वायु गुणवत्ता के बीच प्रदूषण-रोधी उपायों को बढ़ाने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण चार को लागू रखे, तो ज्यादा बेहतर है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की जो गंभीर स्थिति बनी है, उसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह पूरी जिम्मेदारी से काम करने का समय है। कहीं न कहीं सरकारों व सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है, जिसकी वजह से ऐसे प्रदूषण के हालात बार-बार या हर साल बनने लगे हैं। इतना तो कोई भी बता सकता है कि प्रदूषण के खिलाफ बातें तो खूब हुई हैं, लेकिन वाजिब कदम नहीं उठाए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ऐसे अनेक इलाके हैं, जहां प्रदूषण से बोझिल हवा व धुंध की वजह से 500 मीटर के बाद की चीजें भी नहीं दिखाई पड़ रही हैं। जो लोग इसके जिम्मेदार हैं, वे मुंह चुराने में जुटे हैं। आम तौर पर रात के समय प्रदूषण बढ़ जा रहा है, तो इसमें पराली की भूमिका समझी जा सकती है। चूंकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार और हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार है, इसलिए भी एक तरह की चुप्पी दिल्ली में दिख रही है। इस चुप्पी का उपचार पूरी विशेषता के साथ करना चाहिए। अनेक मौकों पर प्रदूषण की शिकायत सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंची है और कुछ उपाय और पैमाने निर्धारित हुए हैं, मगर जमीन पर उन्हें आजमाने में कोताही बरती गई है। वास्तव में, प्रदूषण की समस्या को जलभराव की समस्या की तरह लिया जाने लगा है। जैसे शहर में जलभराव को 365 दिनों में से 15 दिन की समस्या माना जाने लगा है, वहीं प्रदूषण को महीने भर की समस्या मानकर चलने की परिपाटी बनने लगी है। यह एहसास ही नहीं है कि प्रदूषण से हम लोगों की जिंदगी घटा रहे हैं। लोगों को जागरूक करने और प्रदूषण रोकने के लिए पाबंद करने में भी ढिलाई बरती जा रही है। आमतौर पर ग्रैप स्टेज चार को तब लागू किया जाता है, जब एक्यूआई 450 का आंकड़ा पार कर जाता है। इसके तहत दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध के साथ-साथ निर्माण गतिविधियों आदि पर प्रतिबंध लग जाता है। विचार करना चाहिए कि इस स्तर की सतर्कता एक्यूआई के 300 पार करते ही क्यों न आजमाई जाए? यह समय मुंह चुराने का कतई नहीं है, जिम्मेदारी बांटने का है। दिल्ली ही नहीं, देश के उन तमाम शहरों के बारे में सोचना पड़ेगा, जो दुनिया के प्रदूषित शहरों में रोज गिने जाते हैं। दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों मे भारत के 17 शहर हैं। दुनिया के शीर्ष 13 प्रदूषित शहरों में सभी भारत के ही हैं। दक्षिण के शहरों से सभी को सीखना चाहिए, रांची की स्थिति अच्छी है, पर पटना और लखनऊ को सचेत हो जाना चाहिए। संभव है कि अगर छोटे शहर सचेत हो जाएं, तो बड़े शहरों में भी प्रदूषण घट जाए। अभी दिल्ली का दर्द सबको महसूस हो, इससे बेहतर कुछ नहीं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

अहोई ,मां का सन्तान की रक्षा के लिए उपवास का पर्व!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

अहोई माता का व्रत रखने और उनकी मनोयोग से पूजा करने से अहोई मां, उपवास रख रही मां व उनकी सन्तान को लम्बी उम्र का आशीर्वाद देती हैं। संतान की सलामती से जुड़े इस व्रत का बहुत महत्व है। साथ ही इस दिन की पूजा को विशेष पूजा भी कहा जा सकता है।इस बार अहोई अष्टमी का त्योहार 5 नवंबर को पड़ रहा है।अष्टमी तिथि की शुरुआत 5 नवंबर को रात 12 बजकर 59 मिनट से होगी और समापन 6 नवंबर को प्रातः 3 बजकर 18 मिनट पर होगा।अहोई अष्टमी का पूजन मुहूर्त इस दिन शाम 5 बजकर 33 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।इस दिन तारे दिखने का समय शाम 5 बजकर 58 मिनट रहेगा।इस बार की अहोई अष्टमी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि इस दिन रवि पुष्य योग सुबह 6 बजकर 36 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 36 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 29 मिनट तक रहेगा।

अहोई अष्टमी को कालाष्टमी भी कहते हैं। इस दिन मथुरा के राधा कुंड में लाखों श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के चार दिन बाद और दिवाली से आठ दिन पहले रखा जाता है।

अहोई माता की पूजन करने के लिए सुबह के समय जल्दी उठकर सबसे पहले स्नान आदि करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। अब मंदिर या घर मे पूजा स्थान की दीवार पर गेरू और चावल से अहोई माता यानी कि मां पार्वती और स्याहु व उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं।इसके लिए बाजार में मिलने वाले पोस्टर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब एक नए मटके में पानी भरकर रखें, उसपर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं, अब मटके के ढक्कन पर सिंघाड़े रखें।

घर में मौजूद सभी बुजुर्ग महिलाओं को बुलाकर सभी के साथ मिलकर अहोई माता का ध्यान करें और उनकी व्रत कथा पढ़ें। सभी के लिए एक-एक स्वच्छ कपड़ा भी रखें। कथा खत्म होने के बाद इस कपड़े को उन महिलाओं को भेंट कर दें। रखे हुए मटके का पानी खाली ना करें इस पानी से दीवाली के दिन पूरे घर में पोंछा लगाएं। इससे घर में बरकत आती है। रात के समय सितारों को जल से अर्घ्य दें और फिर ही उपवास को पूरा करें।

इस दिन अहोई माता की पूजा की जाती है। अहोई अष्टमी का व्रत महिलाएं अपनी संतानों की लंबी आयु के लिए रखती हैं। कुछ महिलाएं इस व्रत को संतान प्राप्ति के लिए भी करती हैं। यह व्रत दिनभर निर्जल रहकर किया जाता है। अहोई माता का पूजन करने के लिए महिलाएं तड़के उठकर मंदिर में जाती हैं और वहीं पर पूजा के साथ व्रत प्रारंभ होता है। यह व्रत चंद्र दर्शन के बाद ही खोला जाता है।

महिलाएं इस दिन सायंकाल भक्ति-भावना के साथ दीवार पर अहोई की पुतली रंग भरकर बनाती हैं। उसी पुतली के पास सेई व सेई के बच्चे भी बनाती हैं। आजकल बाजार से अहोई के बने रंगीन चित्र कागज भी मिलते हैं जिनको लाकर उनकी पूजा की जा सकती है। कुछ महिलाएं पूजा के लिए चांदी की एक अहोई भी बनाती हैं, जिसे स्याऊ कहते हैं और उसमें चांदी के दो मोती डालकर विशेष पूजन किया जाता है।

तारे निकलने के बाद अहोई माता की पूजा प्रारंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को स्वच्छ करके, पूजा का चौक पूरकर, एक लोटे में जलकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख ते हैं और फिर भक्ति भाव से पूजा करते हैं। साथ ही अहोई अष्टमी की व्रत कथा का श्रद्धा भाव से श्रवण किया जाता है। कथा, पूजन और आरती के बाद माता को हलवा, पूड़ी और चना चढ़ाया जाता है। कुछ परिवारों में माता को पानी के साथ दूध और कच्चा चावल चढ़ाते हैं।

क्या है अहोई की प्रचलित कथा

बताया गया है कि एक साहूकार के 7 बेटे थे और एक बेटी थी। साहुकार ने अपने सातों बेटों और एक बेटी की शादी कर दी थी. अब उसके घर में सात बेटों के साथ सातबहुंएं भी थीं।

साहुकार की बेटी दिवाली पर अपने ससुराल से मायके आई थी. दिवाली पर घर को लीपना था, इसलिए सारी बहुएं जंगल से मिट्टी लेने गईं. ये देखकरससुराल से मायके आई साहुकार की बेटी भी उनके साथ चल दी।

साहूकार की बेटी जहां मिट्टी काट रही थी, उस स्थान पर स्याहु (साही) अपने साथ बेटों से साथ रहती थी. मिट्टी काटते हुए गलती से साहूकार की बेटीकी खुरपी के चोट से स्याहु का एक बच्चा मर गया. इस पर क्रोधित होकर स्याहु ने कहा कि मैं तुम्हारी कोख बांधूंगी।

स्याहु के वचन सुनकर साहूकार की बेटी अपनी सातों भाभियों से एक-एक कर विनती करती हैं कि वह उसके बदले अपनी कोख बंधवा लें. सबसे छोटीभाभी ननद के बदले अपनी कोख बंधवाने के लिए तैयार हो जाती है. इसके बाद छोटी भाभी के जो भी बच्चे होते हैं, वे सात दिन बाद मर जाते हैं सात पुत्रोंकी इस प्रकार मृत्यु होने के बाद उसने पंडित को बुलवाकर इसका कारण पूछा. पंडित ने सुरही गाय की सेवा करने की सलाह दी।

सुरही सेवा से प्रसन्न होती है और छोटी बहु से पूछती है कि तू किस लिए मेरी इतनी सेवा कर रही है और वह उससे क्या चाहती है? जो कुछ तेरीइच्छा हो वह मुझ से मांग ले. साहूकार की बहु ने कहा कि स्याहु माता ने मेरी कोख बांध दी है जिससे मेरे बच्चे नहीं बचते हैं. यदि आप मेरी कोख खुलवा देतो मैं आपका उपकार मानूंगी. गाय माता ने उसकी बात मान ली और उसे साथ लेकर सात समुद्र पार स्याहु माता के पास ले चली।

रास्ते में थक जाने पर दोनों आराम करने लगते हैं. अचानक साहूकार की छोटी बहू की नजर एक ओर जाती हैं, वह देखती है कि एक सांप गरूड़ पंखनीके बच्चे को डंसने जा रहा है और वह सांप को मार देती है. इतने में गरूड़ पंखनी वहां आ जाती है और खून बिखरा हुआ देखकर उसे लगता है कि छोटी बहूने उसके बच्चे को मार दिया है इस पर वह छोटी बहू को चोंच मारना शुरू कर देती है।

छोटी बहू इस पर कहती है कि उसने तो उसके बच्चे की जान बचाई है. गरूड़ पंखनी इस पर खुश होती है और सुरही सहित उन्हें स्याहु के पास पहुंचा देती है।

वहां छोटी बहू स्याहु की भी सेवा करती है. स्याहु छोटी बहू की सेवा से प्रसन्न होकर उसे सात पुत्र और सात बहू होने का आशीर्वाद देती है. स्याहु छोटीबहू को सात पुत्र और सात पुत्रवधुओं का आर्शीवाद देती है। और कहती है कि घर जाने पर तू अहोई माता का उद्यापन करना। सात सात अहोई बनाकर सातकड़ाही देना। उसने घर लौट कर देखा तो उसके सात बेटे और सात बहुएं बेटी हुई मिली। वह खुशी के मारे भाव-भिवोर हो गई। उसने सात अहोई बनाकर सातकड़ाही देकर उद्यापन किया।इस लोक कथा के प्रति माताओ में अटूट आस्था है तभी तो वे इस कथा को बड़े मनोयोग से सुनकर अपना अहोई उपवास पूरा करती है।(लेखक आध्यात्मिक चिंतन व वरिष्ठ पत्रकार है)

अहोई अष्टमी : संतान की मंगलकामना का पर्व

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(अहोई अष्टमी (5 नवम्बर) पर विशेष)

भारत में हिन्दू समुदाय में करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 5 नवम्बर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा। साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।'' ''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

राजा भोज और गंगू तेली के बीच में फंसा पांच राज्यों का चुनाव

(लेखक-सनत कुमार जैन)

कहानी की किताबों में राजा भोज और गंगू तेली की कहानी पढ़ने को मिलती है। जिसमें राजा भोज और गंगू तेली का कोई मुकाबला नहीं होता है।कुछ इसी तरीके की स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में देखने को मिल रही है। कांग्रेस शासित राज्य,मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान तथा दक्षिण का राज्य तेलंगाना मे कांग्रेस पार्टी,पाई - पाई के लिए तरस रही है।जहां-जहां से कांग्रेस पार्टी को चुनाव का चंदा मिलता था। चुनाव के लिए जो आर्थिक सहायता मिलती थी। उन सभी के द्वार बंद कर दिए गए हैं। जो भी संस्थान कांग्रेस की मदद करने की भावना से आगे आता है, दूसरे दिन उसके यहां ईड़ी का छापा पड़ जाता है। कांग्रेस पार्टी अभी तक के अपने सबसे खराब आर्थिक दौर से गुजर रही है।इसका कारण केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का खौफ है? जो कारोबारी, बड़ी छोटी कंपनियां, और बड़े-बड़े सेठ साहूकार,ठेकेदार जो कांग्रेस को परंपरागत आर्थिक सहायता देते थे, उन सबके यहां पिछले तीन-चार महीने से लगातार छापे डाले जा रहे हैं। आयकर विभाग और ईड़ी के अधिकारी लगातार सक्रिय हैं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का भय इतना ज्यादा हो गया है, कि कांग्रेस नेताओं से बात करने में भी अब कारोबारी, कंपनी के निदेशक और अन्य लोग डरने लगे है।कहीं उनकी बातें कोई सुन ना रहा हो।बैंकों से भी लोग पैसे निकालने से डर रहे हैं।50000 रूपये से ऊपर जैसे ही बैंक से चेक द्वारा अथवा नगद राशि का भुगतान करते हैं।इसकी सूचना ईड़ी और आयकर विभाग तक पहुंच जाती है। छापे के कारण कांग्रेस नेताओं ने अपने पास पैसा भी नहीं रखा था, नाही चुनाव के पहले चंदा एकत्रित किया था।ऐन चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों को जो आर्थिक सहायता चुनाव प्रचार करने के लिए पार्टी की ओर से देती थी, वह भी कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को नहीं दे पा रही है। पार्टी के पास जरूरी खर्च के लिए पैसे नहीं है। ऐसी स्थिति कांग्रेस की इसके पूर्व कभी भी नहीं हुई। जिस तरह की आर्थिक स्थिति वर्तमान में हो गई है। कहा जा रहा है कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के चारों ओर एक ऐसा शिकंजा कस दिया गया है, कि वह भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ऊपर ईड़ी ने पहले से ही शिकंजा कस रखा है। उनके सभी सहयोगियों और आसपास के लोगों पर लगातार छापे डाले जा रहे हैं। कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार है। वहां पर भी ईड़ी लगातार छापे डाल रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपनी और अपनों की रक्षा करने के लिए यहां से वहाँ भाग रहे हैं।कांग्रेस को परंपरागत रूप से जो आर्थिक सहायता जहां-तहां से मिलती थी, उसे सुनियोजित तरीके से रोक दिया गया है। अब कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है, कि चुनाव के 15 दिन बचे हैं। वह किस तरह से चुनाव लड़े। चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों को किस तरह से आर्थिक मदद पहुंचाएं। एक ही तरीका रह गया है, कि कांग्रेस को चुनाव लड़ना है, तो वह जनता के बीच में जाकर वोट के साथ नोट के लिए भी झोली फैलाए। जनता से वोट के साथ नोट भी मांगे। जो जनता कांग्रेस का समर्थन कर रही है। वह वोट भी देगी, और नोट भी देगी। तभी जाकर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की वैतरणी पार हो सकती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखकर यही कहा जा रहा है, कि पांच राज्यों के चुनाव का मुकाबला गंगू तेली और राजा भोज के बीच का है। राजा भोज आर्थिक दृष्टि से संपन्न है। गंगू तेली खली से तेल निकालकर जो तेल इकट्ठा हो रहा है, उसी में चुनाव लड़ना उसकी विवशता है। इस स्थिति में भी यदि गंगू तेली जीत गया, तो बड़े आश्चर्य और चमत्कार की बात होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफआईआई की बिकवाली जारी रहने की संभावना नहीं

नई दिल्ली।

सितंबर और अक्टूबर में देखी गई एफआईआई की बिकवाली का रुझान नवंबर की शुरुआत में भी जारी रहा। ये कहना है जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का।उन्होंने यह भी कहा कि नवंबर के पहले तीन दिनों में एफआईआई ने कैश मार्केट के जरिए 3,063 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। हालांकि यह ट्रेंड जारी रहने की संभावना नहीं है, क्योंकि एफआईआई की बिक्री की मुख्य वजह बढ़ती बांड यील्ड थी जो अब कम हो गई है। 19 अक्टूबर को 5 प्रतिशत के शिखर पर पहुँचने के बाद 10-वर्षीय अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट शुरू हुई। उन्होंने कहा, पिछले दो दिनों के दौरान इसमें भारी गिरावट आई है, जिससे 3 नवंबर को यील्ड तेजी से घटकर 4.66 फीसदी रह गई। बांड यील्ड में इस उलटफेर का मुख्य कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की टिप्पणी है कि ऊंची मुद्रास्फीति के बावजूद, इसके स्थिर रहने की सम्भावना बनी हुई है। आगे चलकर एफआईआई की बिकवाली कम रहने की संभावना है। वे खरीदार भी बन सकते हैं, जिससे भारतीय बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि फ्रंटलाइन बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, पूंजीगत सामान और आईटी और रियल एस्टेट में मिडकैप अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

कर्मचारियों का बोनस लाया बाजार में बहार, दिवाली सीजन में होगा 3.5 लाख करोड़ का कारोबार!

(एजेंसी)

केंद्र सरकार एवं प्राइवेट सेक्टर द्वारा अपने कर्मचारियों को बोनस देने की घोषणा से त्योहारी बाजारों में रौनक आ गई है। इस बार दिवाली की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि के आसार हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि दीवाली के त्योहारी सीजन में देश में 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बिक्री होगी। अगर दिल्ली के बाजारों की बात करें, तो कारोबार का यह आंकड़ा 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का रहेगा। इसमें वस्त्र, ज्वैलरी, खाद्य किराना, आटोमोबाइल सेक्टर व इलेक्ट्रॉनिक आइटम आदि शामिल हैं। प्रवीन खंडेलवाल के मुताबिक, नवरात्रि से शुरू हुए दीपावली त्योहारी सीजन में दिल्ली सहित देश भर के बाजारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। इससे व्यापार जगत में उत्साह का माहौल है। करवा चौथ के पर्व के बाद दिवाली की खरीदारी के लिए ग्राहक, बाजारों का रुख करने लगे हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने इस वर्ष के दिवाली सीजन में देश भर के बाजारों में 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार होने का अनुमान लगाया है। अकेले दिल्ली में ही इस त्योहारी सीजन में 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार होने की संभावना जताई गई है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कर्मियों के लिए बोनस की घोषणा एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मियों को त्योहारों का बोनस दिया गया है। प्राइवेट सेक्टर में भी कर्मचारियों को दीपावली बोनस एवं अन्य इंसेंटिव दिए जाने से बाजार में त्योहारी सीजन की मांग में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। वहीं महीने के प्रारंभ में ही दिवाली एवं अन्य त्योहारों के आने से ग्राहकों की जेब में त्योहार पर खर्च करने के लिए पर्याप्त मात्रा में धनराशि होगी। इसके माध्यम से जो खरीदी होगी, उससे बाजारों में रौनक आएगी। व्यापार एवं अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर वित्तीय तरलता आएगी। कैट के पदाधिकारियों के मुताबिक, एक मोटे अनुमान के अनुसार 3.5 लाख करोड़ के अनुमानित त्योहारी सीजन के व्यापार में लगभग 13 फीसदी खाद्य एवं किराना में, 9 फीसदी ज्वैलरी में, 12 फीसदी वस्त्र एवं गारमेंट्स, 4 फीसदी ड्राई फ्रूट, मिठाई एवं नमकीन, 3 फीसदी घर की साज सज्जा, 6 फीसदी कॉस्मेटिक्स, 8 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाइल, 3 फीसदी पूजन सामग्री एवं पूजा से जुड़ी वस्तुएं, 3 फीसदी बर्तन तथा रसोई उपकरण, 2 फीसदी कॉम्फेक्शनरी एवं बेकरी, 8 फीसदी गिफ्ट आइटम्स और 4 फीसदी फ़र्निशिंग एवं फर्नीचर व्यापार में खर्च होगा। शेष 20 फीसदी ऑटोमोबाइल, हार्डवेयर, इलेक्ट्रिकल व खिलौनों सहित दूसरी वस्तुओं एवं सेवाओं पर ग्राहकों द्वारा खर्च किए जाने का अनुमान है। पैकिंग क्षेत्र को भी दिवाली पर बड़ा व्यापार मिलेगा।

चीन को मात दे रहा भारत का 'लहसुन', ऐसे बढ़ा रहा ड्रैगन की परेशानी

(एजेंसी)

दुनिया में लहसुन की ट्रेडिंग के मामले में चीन का कोई सानी नहीं है लेकिन भारत अब इस मोर्चे पर भी चीन को मात दे रहा है। भारत का लहुसन ट्रेड लगातार बढ़ रहा है, जो चीन की परेशानी को बढ़ा रहा है।वहीं इस बीच चीन के ब्लीचड लहसुन की डंपिंग भी शुरु कर रखी है। फिलहाल इस बात में कोई शक नहीं है कि लहसुन एक्सपोर्ट के मामले में चीन अभी भी वर्ल्ड लीडर है। चीन कभी दुनिया का 80त्न लहसुन एक्सपोर्ट करता था, जो हाल के सालों में अब 70-75 प्रतिशत तक आया है। वहीं इस बीच भारत का लहसुन एक्सपोर्ट बढ़ा है।

भारत का लहसुन एक्सपोर्ट

दुनिया में मसालों का व्यापार करने वाले सबसे अग्रणी देशों में भारत का नाम शुमार है। प्राचीन काल का मसाला ट्रेड रूट भारत से गुजरता था। अगर बीते साल के आंकड़ों को देखें तो भारत के मसाला एक्सपोर्ट में लहसुन की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। स्पाइस बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक 2022-23 की अप्रैल से जनवरी यानी सिर्फ 10 महीनों में लहसुन के एक्सपोर्ट में 165त्न की ग्रोथ दर्ज की गई है। इस दौरान भारत ने 47,329 टन लहसुन का एक्सपोर्ट किया जबकि पूरे वित्त वर्ष में ये निर्यात 57,346 टन रहा, जो 2021-22 के मुकाबले 159% अधिक था। अभी 2023-24 के आंकेड़े आने बाकी हैं। इसके उलट चीन के लहसुन उत्पादन में 25% तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत का लहसुन पश्चिमी एशियाई और अफ्रीकी देशों में तेजी से पॉपुलर हुआ है।

दूसरी तिमाही में एसबीआई को 14,330 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

मुंबई। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 8 प्रतिशत बढ़कर 14,330 करोड़ रुपये होने की सूचना दी। पिछले साल की समान तिमाही में बैंक को 13,265 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एसबीआई की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 12.3 प्रतिशत बढ़कर 39,500 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 31,184 करोड़ रुपये थी। बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2.55 प्रतिशत पर आ गई है, जो पिछले साल की समान तिमाही में दर्ज 3.52 प्रतिशत से कम है। तिमाही के लिए शुद्ध एनपीए साल-दर-साल आधार पर 0.80 प्रतिशत से सुधार करते हुए 0.64 प्रतिशत रहा। शुक्रवार को बीएसई पर एसबीआई के शेयर 578.15 रुपये पर बंद हुए।

जुलाई-सितंबर तिमाही में इंडिगो ने 189 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

नई दिल्ली।

प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को कहा कि इसने जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए 188.9 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। पिछले साल की इसी तिमाही में इसे 1,583.33 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कम लागत वाली एयरलाइन का राजस्व 19.5 प्रतिशत बढ़कर 14,943 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12,497 करोड़ रुपये था। राजस्व में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में तिमाही के दौरान घरेलू यात्रा में तेज वृद्धि के कारण हुई है। अगर पिछली तिमाही को देखें तो इंडिगो ने जनवरी-मार्च तिमाही में 14,160 करोड़ रुपये की बिक्री पर 919 करोड़ रुपये का लाभ और चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 16,683.1 करोड़ रुपये की बिक्री पर 3,090 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। जुलाई-सितंबर तिमाही आमतौर पर विमानन क्षेत्र के लिए कमजोर होती है क्योंकि मानसून की बारिश हवाई यात्रा को प्रतिबंधित करती है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बीते कारोबारी सत्र में शेयर बाजार में लगभग आधा फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के ओ खिरी कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह शेयर बाजार में पांच कारोबारी दिनों में से चार दिन तेजी और एक दिन गिरावट रही। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो बैंकिंग, वित्तीय और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बेंचमार्क शेयर सूचकांक सोमवार को एक महीने से अधिक समय के सबसे खराब सप्ताह के बाद गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 168 अंक की गिरावट के साथ 63,614 पर खुला और 329.85 अंकों की बढ़त के साथ 64,112.65 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 43 अंकों की तेजी के साथ 19,003 पर खुला और 93.66 अंकों की मजबूती के साथ 19,140.90 पर बंद हुआ। कारोबारी हफ्ते के दूसरे दिन मंगलवार को सेंसेक्स 217 अंकों के उछाल के साथ 64,311 पर खुला और 237.72 अंकों की गिरावट के साथ 63,874.93 पर बंद हुआ। निफ्टी 0.52 फीसदी के बढ़ोतरी के साथ 19,181 पर खुला और 61.31 अंक फिसलकर 19,079.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली से बुधवार को सेंसेक्स 143 अंक की गिरावट के साथ 63,731 पर खुला और 283.60 अंकों की गिरावट के साथ 63,591.33 पर बंद हुआ। निफ्टी 26 अंकों की तेजी के साथ 19,053 पर खुला और 90.45 अंक फिसलकर 18,989.15 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दो दिन की बिकवाली के बाद मजबूती दिखी। सेंसेक्स 539.40 अंकों की बढ़त के साथ 64,130.73 पर खुला और 489.57 अंकों की बढ़त के साथ 64,080.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 165.65 अंक चढ़कर 19,154.80 पर खुला और 144.10 अंकों की बढ़त के साथ 19,133.25 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 331 अंकों के उछाल के साथ 64,420 पर खुला और 282.88 अंक (0.44 फीसदी) की बढ़त के साथ 64,363.78 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 0.55 फीसदी के बढ़त के साथ 19,241 पर खुला और 97.35 अंक (0.51 फीसदी) की बढ़त के साथ 19230.60 के स्तर पर बंद हुआ।

सऊदी अरब की नजर 30 अरब डॉलर के आईपीएल में हिस्सेदारी पर रिपोर्ट

नई दिल्ली।

सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे आकर्षक आयोजन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अरबों डॉलर की हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। एक मीडिया रिपोर्ट में ये बात कही गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सलाहकारों ने 30 अरब डॉलर की वैल्यू वाले आईपीएल को होल्डिंग कंपनी में बदलने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बातचीत तब हुई जब सऊदी क्राउन प्रिंस सितंबर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आये थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी अरब ने लीग में 5 बिलियन डॉलर तक निवेश करने और अन्य देशों में विस्तार में मदद करने का प्रस्ताव दिया है। डीएंडपी इंडिया एडवाइजरी सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल इकोसिस्टम का मूल्य 87,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 92,500 करोड़ रुपये हो गया है, जो लगभग 6.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में, यह 10.9 बिलियन डॉलर से 11.2 बिलियन डॉलर की वृद्धि दर्शाता है, जो लगभग 3.3 प्रतिशत की वृद्धि है। आईपीएल हमेशा से ही क्रिकेट, बिजनेस और मनोरंजन का समागम रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल भी कोई अपवाद नहीं था, क्योंकि लीग ने टेलीविजन और डिजिटल दोनों प्लेटफार्मों पर दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखा। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) इंडिया के अनुसार, स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर आईपीएल प्रसारण ने 427.1 बिलियन मिनट के प्रभावशाली देखने के समय के साथ 505 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया। डिजिटल मोर्चे पर, जिओसिनेमा ने बताया कि 449 मिलियन दर्शकों ने उसके प्लेटफ़ॉर्म को देखा, जिसमें 126 मिलियन से अधिक दर्शकों ने आईपीएल एक्शन का आनंद लेने के लिए कनेक्टेड टीवी विकल्प चुने।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.6 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि 27 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.579 अरब डॉलर बढ़कर 586.111 अरब डॉलर हो गया। 20 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.36 अरब डॉलर घटकर 583.53 अरब डॉलर रह गया था। यह वृद्धि एक स्वागतयोग्य राहत है क्योंकि आरबीआई देश के विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये के अस्थिर होने पर उसे स्थिर करने के लिए करता है। विदेशी मुद्रा कोष में कोई भी वृद्धि आरबीआई को बाजार में डॉलर जारी करने और रुपये के मुक्त गिरावट की स्थिति में स्थिर करने के लिए अधिक गुंजाइश देती है। 6 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.166 अरब डॉलर घटकर पांच महीने के निचले स्तर 584.74 अरब डॉलर पर आ गया था।

निवेशकों की चिंता कम होने से भारतीय बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने शुक्रवार को कहा कि निवेशकों की चिंता में कमी के बीच भारतीय बाजार में तेजी लौटी है। मजबूत वैश्विक संकेतों, स्थिर मैक्रो-इकोनॉमिक डेटा और मजबूत घरेलू कॉर्पोरेट आय से उम्मीदें बढ़ी हैं। नायर ने कहा कि संकेत है कि अमेरिकी फेड द्वारा भविष्य में दरें बढ़ाने की संभावना नहीं है और तेल की कीमतों में मामूली गिरावट से सेंटीमेंट्स में सुधार हुआ है। शुक्रवार को निफ्टी 97 अंक या 0.51 फीसदी की तेजी के साथ 19,230.60 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 283 अंक या 0.44 फीसदी की तेजी के साथ 64,363.78 पर बंद हुआ. दूसरी तिमाही के नतीजे मार्जिन में स्वस्थ विस्तार की संभावना तलाश रहे हैं, जिससे आय वृद्धि में मजबूत उछाल आ रहा है। कमाई के मौसम के बीच, लार्ज-कैप कंपनियां सालाना आधार पर शुद्ध लाभ में 40 प्रतिशत की ठोस वृद्धि का संकेत दे रही हैं। नायर ने कहा, इसके अलावा, वैश्विक मुद्रास्फीति में नरमी और स्थिर घरेलू और बाहरी मांग से दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय का परिदृश्य बढ़ रहा है। शुक्रवार को ज्यादातर सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी रियलिटी ने शुक्रवार को बेहतर प्रदर्शन किया, जो 2.54 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इस बीच, बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उम्मीद के मुताबिक बेंचमार्क दर बरकरार रखी, लेकिन आने वाले समय में ग्रोथ नहीं होने और बेरोजगारी बढ़ने की भविष्यवाणी भी यह व्यक्त करता है। अपोलो हॉस्पिटल्स, अदानी पोर्ट्स, आयशर मोटर्स, एलटीआईमाइंडट्री और टाइटन कंपनी निफ्टी पर प्रमुख लाभ पाने वालों में से थे, जबकि लुढ़कने वालों में बजाज फिनसर्व, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील शामिल थे।

ओडिशा को पवन ऊर्जा क्षेत्र में 4,940 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले

नई दिल्ली:

ओडिशा सरकार को पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए निवेशकों से 4,940 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को यहां सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के लिए नोडल एजेंसी ग्रिडको ने अपने तकनीकी भागीदार आईफॉरेस्ट के सहयोग से पवन ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए 'ओडिशा पवन ऊर्जा शिखर सम्मेलन- निवेशक गोलमेज' का आयोजन किया। इस अवसर पर, संभावित निवेशकों ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और सरकारी नोडल एजेंसी ग्रिडको के अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत बैठक की। इसमें पवन ऊर्जा की 575 मेगावाट क्षमता के लिए विभिन्न निवेशकों द्वारा 4,940 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव का आश्वासन दिया गया। शिखर सम्मेलन में देश भर के 25 प्रमुख निवेशकों ने भाग लिया। इस सम्मेलन ने पवन ऊर्जा उत्पादन और विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुख इकाइयों को एक साथ लाने में एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया। मुख्य सचिव पीके जेना ने अपने संबोधन में ओडिशा में बिजली संयंत्रों और विनिर्माण केंद्रों की स्थापना के लिए पवन उद्योग को व्यापक समर्थन देने के राज्य के दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। वित्त और ऊर्जा सचिव वीके देव ने भी विश्वास जताया कि शिखर सम्मेलन निश्चित रूप से पवन ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं, दृष्टि और मिशन को पूरा करने की दिशा में ओडिशा की महत्वाकांक्षी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

मप्र और महाराष्ट्र में पेट्रोल सस्ता, यूपी में महंगा

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी की गिरावट के साथ 80.89 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 85.23 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। हालांकि, क्रूड में आई इस गिरावट का पेट्रोल और डीजल के दामों पर कोई असर देखने को नहीं मिला है, लेकिन कुछ राज्यों व शहरों में ईंधन के दाम में मामूली कटौती और बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.25 पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ है, जबकि महाराष्ट्र में 0.23 पैसे प्रति लीटर सस्ता बिक रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल के दाम में 0.21 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में भी पेट्रोल 0.63 पैसे महंगा होकर 101.46 रुपए प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बायजू के मुख्य व्यवसाय का परिचालन घाटा 2021-22 में घटकर 2,253 करोड़ रुपए

नई दिल्ली:

बायजू ब्रांड नाम के तहत काम करने वाली शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि उसके मुख्य व्यवसाय का परिचालन घाटा 2021-22 में घटकर 2,253 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी ने कहा कि एबिटडा या मुख्य व्यवसाय का परिचालन घाटा इससे एक साल पहले की अवधि में 2,406 करोड़ रुपए था। कंपनी के मुख्य व्यवसाय में के12 पेशकश, अनुप्रयोग और ट्यूशन केंद्र शामिल हैं। बायजू ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में उसके मुख्य व्यवसाय का राजस्व 2.3 गुना बढ़कर 3,569 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,552 करोड़ रुपए था। बायजू के संस्थापक और समूह सीईओ बायजू रवींद्रन ने कहा, मुख्य व्यवसाय ने अच्छी वृद्धि का प्रदर्शन किया है, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत में शिक्षा प्रौद्योगिकी की क्षमता को रेखांकित करता है। मैं महामारी के बाद की दुनिया में सीखे गए सबक से भी प्रभावित हूं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में बायजू टिकाऊ और लाभदायक वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

कंपनी के वित्तीय आंकड़ों में उसके द्वारा किए गए सभी अधिग्रहणों का वित्तीय प्रदर्शन शामिल नहीं है।

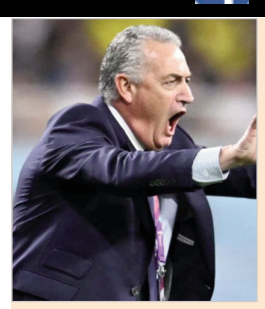

सुआरेज की जगह कोच कोस्टारिका के कोच बने गुस्तावो अल्फारो

सैन जोस । गुस्तावो अल्फारो अब कोस्टा रिका की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच होंगे। वह 2026 विश्व कप तक इस पद पर रहेंगे। अर्जेंटीना के मैनेजर रहे अल्फारो को कोलंबियाई लुइस फर्नांडो सुआरेज की जगह कोच बनाया गया है। सुआरेज को टीम के खराब पदर्शन को देखते हुए जुलाई में पद से हटा दिया गया था। वहीं कोच बनाये जाने से उत्साहित अल्फारो ने कहा, कोस्टा रिका टीम के साथ यह पद लेना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मैं अपना ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित हूं। गौरतलब है कि पिछले साल कतर में विश्व कप के बाद से ही इक्वाडोर से अलग होने के बाद से ही अल्फारो के पास कोई काम नहीं है। उनका टीम का पहला गेम 16 नवंबर को सैन जोस में पनामा के खिलाफ कोओएनसीएसीएएफ नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल का पहला चरण रहेगा। उन्होंने कहा, मैं लगभग एक साल से दोबारा कोच बनने का इंतजार कर रहा था। अब मेरे पास इस टीम का मार्गदर्शन करने और उसे सफल बनाने की जिम्मेदारी है। अल्फारो ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम साथ मिलकर एक ऐसी टीम बना सकते हैं जो जीत दर्ज करेग।

37th राष्ट्रीय खेल 2023-24

26 अक्तूबर से 9 नवंबर 2023 तक राष्ट्रीय खेल का आयोजन किया जा रहा है

जिसमे 26 से 29 अक्टुबर को पेंचक सिलाट गेम कैम्फाल इंडोर स्टेडियम मे खेला गया.

दिल्ली : गोवा मे हुए 37th राष्ट्रीय खेल 2023 में दिल्ली के सीनियर वर्ग से 22 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया व स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक प्राप्त किये,

37th राष्ट्रीय खेल 2023 गोवा मे सभी राज्यों से लगभग 300 खिलाडियों ने हिस्सा लिया जिसमे पेंचक सिलाट एसोशिएशन् ऑफ दिल्ली टीम ने दिल्ली ओलिंपिक एसोशिएशन् के बैनर के अंतर्गत पुरुष वर्ग में नितिन, शिवम, आकाश, आशीष, विक्रम चाहर, सुनील, विक्रम भसीन, राकेश, अभिषेक, व सूरज कुमार अथवा महिला वर्ग मे सुधा, शीतल, मुस्कान, मिताली, पूजा, मेघा, सरिता, प्रीति, ममता, निर्मल स्तुति, एवम रक्षा मौर्य ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और ३ स्वर्ण, 2 रजत व 7 कांस्य पदक प्राप्त किये इसके साथ ही इन सभी खिलाडियो ने अपने देश की राजधानी दिल्ली को प्रस्तुत किया और अपने राज्य का मान बढ़ाया, दिल्ली पेंचक सिलाट स्पोर्ट्स एसोशिएशन् के महासचिव राजेश कुमार ने बताया की पेंचक सिलाट

एसोशिएशन् के खिलाडी आगामी जुनियर और सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के ट्रायल जो पटना (बिहार) मे होने वाले है उसके लिए भी पूर्ण रूप से तैयार है 37th राष्ट्रीय खेल 2023 में मुख्य अतिथि के तौर पर गोवा मे देश के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उपस्थित रहे. व गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत जी मौजूद रहे तथा अतिथि के तौर पर दिल्ली ओलंपिक एसोशिएशन् के अध्यक्ष श्री कुलदीप वत्स व सभी राज्यो के ओलंपिक अध्यक्ष ने 37th राष्ट्रीय खेल मे पहुँच कर सभी खिलाडियों का हौसला बढ़ाया, पेंचक सिलाट एसोशिएशन् ऑफ दिल्ली टीम की वापसी पर पेंचक सिलाट एसोशिएशन् ऑफ़ दिल्ली के चीफ पेटर्न श्री अशोक तंवर जी ने खिलाडियों को मेडल व माला पहनकर उनका सम्मान किया व खिलाडियों के साथ कुछ समय व्यतीत कर के उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया, व पेंचक सिलाट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ दिल्ली के सभी पदाधिकारियों व अभिभावकों ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी

फखर ज़मान ने पाकिस्तान के लिए वनडे विश्व कप का सबसे तेज़ शतक लगाया

बेंगलुरु।

फखर जमान ने शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईसीसी विश्व कप 2023 के 35वें मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 402 रनों का पीछा करते हुए पाकिस्तान के लिए सबसे तेज वनडे विश्व कप शतक लगाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कीवी टीम के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 20वें ओवर में 63 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। फखर जमान ने इमरान नजीर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2007 किंग्स्टन विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 95 गेंदों में शतक बनाया था, जो इसे विश्व कप इतिहास में किसी पाकिस्तानी बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक के रूप में चिह्नित करता है। इसके अलावा, फखर ने किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा विश्व कप की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के नजीर के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, क्योंकि नजीर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 121 गेंदों पर 160 रन की पारी के दौरान आठ छक्के लगाए थे। फखर ज़मान का 63 गेंदों में शतक विश्व कप के सबसे तेज़ शतकों की सूची में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर है, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने भी विश्व कप के इस संस्करण के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ 63 गेंदों में शतक बनाया था। वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज शतक ग्लेन मैक्सवेल के नाम है, जिन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ सिर्फ 40 गेंदों में शतक लगाया था।

जोकोविच ने गत चैम्पियन रूने को हराया, पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस ।

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज नोवाक जोकोविच ने करीब तीन घंटे तक चले मुकाबले में गत चैम्पियन होल्गर रूने को हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने इस तरह पिछले साल फाइनल में रूने से मिली शिकस्त का बदला चुकता किया। जोकोविच ने शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में रूने पर 7-5 6-7(3) 6-4 से जीत दर्ज की। पेरिस मास्टर्स के छह बार के चैम्पियन जोकोविच नौवीं दफा पेरिस मास्टर्स के अंतिम चार में पहुंचे और उन्होंने लगातार 16 मैच में जीत की लय जारी रखी। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव से भिड़ेंगे। रूबलेव ने गुरूवार को एलेक्स डि मिनॉर को 4-6 6-3 6-1 से हराया। मिनॉर को यानिक सिनर के टूर्नामेंट से हटने के बाद वॉकओवर मिला था। इससे पहले ग्रिगोर दिमित्रोव ने हुबर्ट हर्कास्ज पर 6-1 4-6 6-4 की जीत से सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इस तरह 32 वर्षीय दिमित्रोव अपने करियर में दूसरी बार इस इंडोर टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचे। बुल्गारिया के दमित्रोव का सामना अब सेमीफाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास से होगा जिन्होंने कारेन खाचानोव को 6-3, 6-4 से हराकर अपने करियर की 30वीं जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

इगा स्वीयाटेक, कोको गॉफ ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

कैनकन (मेक्सिको)

वर्ल्ड नंबर 2 इगा स्वीयाटेक और नंबर 3 कोको गॉफ ने अपने-अपने मैच जीतकर चेतुमल ग्रुप में शीर्ष दो में रहते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल के सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। गॉफ़ ने शुक्रवार रात ग्रुप प्ले के अंतिम दौर में मार्केटा वोंद्रोसोवा को 5-7, 7-6(4), 6-3 से हराकर इस सीज़न के दो ग्रैंड स्लैम चैंपियनों की लड़ाई जीत ली।वह 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद साल के अंत की चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली किशोरी हैं। बाद में शाम को, स्वीयाटेक ने चेतुमल ग्रुप में नंबर 6 सीड ओन्स जाबौर को 6-1, 6-2 से हराकर 3-0 से आगे होने के बाद ग्रुप विजेता के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की। शनिवार को स्वीयाटेक का मुकाबला नंबर 1 आर्यना सबालेंका से होगा, जो साल के अंत की नंबर 1 रैंकिंग तय कर सकता है। अगर सबालेंका जीतती हैं तो वह साल का अंत नंबर 1 पर रहकर करेंगी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगर स्वीयाटेक जीत हासिल करती है, तो वह केवल खिताब जीतकर ही शीर्ष स्थान हासिल कर सकती है। यह फोर्ट वर्थ में पिछले साल के सेमीफाइनल का रीमैच है, जहां सबालेंका ने 6-2, 2-6, 6-1 से जीत हासिल की थी। दोनों ने इस सीज़न में अपनी दो भिड़ंत क्ले कोर्ट पर की हैं। स्वीयाटेक ने स्टटगार्ट फाइनल जीता, जबकि सबालेंका ने मैड्रिड जीता। दूसरे सेमीफाइनल में गॉफ का मुकाबला नंबर 5 जेसिका पेगुला से होगा। 2003 में राउंड-रॉबिन प्रारूप की पुनः शुरूआत के बाद से यह डब्ल्यूटीए फाइनल में पहला पूर्ण अमेरिकी सेमीफाइनल होगा। दोनों खिलाड़ी साल के अंत के टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पदार्पण कर रही हैं।

पिछले साल फोर्ट वर्थ में यह जोड़ी एकल और युगल दोनों में जीत से वंचित रह गई थी। यह दो शीर्ष रैंक वाले अमेरिकियों के बीच वर्ष की तीसरी भिड़ंत होगी। गॉफ ने ईस्टबॉर्न में घास पर जीत हासिल की और पेगुला ने इस गर्मी में मॉन्ट्रियल में अपने खिताबी मुकाबले के दौरान बदला लिया। शुक्रवार की जीत गॉफ़ की सीज़न की 51वीं जीत थी। वह 1999 में वीनस विलियम्स के बाद एक सीज़न में 50 या अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली अमेरिकी किशोरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीसीबी में हो सकता है बदलाव

लाहौर । विश्वकप में इस बार पाकिस्तान क्रिकेट के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब बड़े बदलाव की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक ने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। टीम के खराब प्रदर्शन की गाज अब पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ पर पड़ने की संभावना है। पिछले कुछ समय से कप्तान बाबर आजम के संदेशों को लीक करने के बाद से ही वह आलोचकों के निशाने पर हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें पद से हटाया जा सकता है। वहीं पूर्व पाकिस्तान कप्तान शाहिद अफरीदी के पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर अल हक से मुलाकात के भी मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसे में संभव है कि पीसीबी में फिर बदलाव किया जाये क्योंकि अनवर ने अफरीदी को देश के खेल के मामलों में शामिल सक्रिय रूप से शामिल होने का अनुरोध किया है। इन दोनों ने क्रिकेट के कई पहलुओं पर चर्चा की है। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तानी टीम लगातार चार मैच हारकर विश्व कप सेमीफाइनल से बाहर होने की दौड़ में है। वैसे भी 5 नवंबर को अशरफ का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। उनके कार्यकाल का आगे बढ़ाये जाने की संभावना कम ही है। पाकिस्तान क्रिकेट के लिए पिछले कुछ महीने अच्छे नहीं रहे थे। अशरफ के अलावा इस साल तीन लोग पीसीबी की अध्यक्षता कर चुके हैं। जका के कार्यकाल की समाप्ति के बाद चौथा चेयरमैन नियुक्त होगा। ये पाकिस्तान के अगले चुनाव और नए प्रधानमंत्री के बनने तक रहेगा। उसके बाद प्रधानमंत्री नया अध्यक्ष नियुक्त करेंगे। द्वारा नया चेहरा नॉमिनेट करने तक पद पर रहेगा।

विलियमसन वनडे विश्व कप इतिहास में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

बेंगलुरु, न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन शनिवार को यहां एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ लीग चरण के मैच के दौरान ब्लैककैप्स के लिए आईसीसी वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। विलियमसन ने हसन अली की शॉर्ट गेंद को चौके के लिए भेजकर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की और मात्र 79 गेंदों में शानदार 95 रन बनाए। इस उपलब्धि ने उन्हें अनुभवी स्टीफन फ्लेमिंग से आगे निकलने की अनुमति दी, जिन्होंने 33 पारियों में 1075 रन बनाए थे, और अब विलियमसन केवल 24 पारियों में 1084 रन के साथ न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालाँकि, 33 वर्षीय खिलाड़ी 35वें ओवर में इफ्तिखार अहमद की गेंद पर 95 रन बनाकर आउट होने के बाद अपना तीसरा विश्व कप शतक बनाने से चूक गए। 2023 विश्व कप में, विलियमसन केवल दो मैचों में 173 का उत्कृष्ट औसत बनाए रखते हुए 173 रन बनाने में सफल रहे, जिसमें 95 का उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर था। दुर्भाग्य से, चोटों ने उन्हें प्रतियोगिता के एक महत्वपूर्ण हिस्से से चूकने के लिए मजबूर किया।

हेड कोच ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को बताया पाकिस्तान की हार का कारण

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान की टीम के हेड कोच ने उनकी हार का कारण भारत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बताया है। हालों कि पो किस्तान टीम की हालत टूर्नामेंट में काफी खराब है। पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन को लेकर कोच मिकी ऑर्थर ने अपना बयान दिया है। कोच ने कहा कि टाइट सेक्योरिटी ही खराब परफॉर्मेंस के` लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा है कि हमारे खिलाड़ियों को आजादी से खेलने की आदत है, लेकिन हम इतनी सेक्योरिटी के बीच है कि अपना नाश्ता भी एक दूसरे के साथ में नहीं कर पाते हैं। मिकी ऑर्थर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे लिए सबसे मुश्किल बात यह है कि हम इतनी कड़ी सेक्योरिटी के बीच हैं। सच बताऊं तो मुझे ये मुश्किल हालात लग रहे है। ऐसा लग रहा है कि जैसे हम कोविड काल में आ गए हैं। हम यहां पर अपने होटल में अपनी मंजिल और कमरे तक ही सीमित रहते हैं। इतनी कड़ी सुरक्षा है कि हमारा नाश्ता भी अकेले ही होता है। हम अपने प्लेयर्स से ज्यादा बातचीत नहीं कर पाते। ऑर्थर ने आगे कहा कि हमारे खिलाड़ियों को आजादी से रहने की आदत है। लेकिन हम यहां कही बाहर नहीं जा सकते हैं। हमें कही पर भी बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। अगर हम अलग-अलग जगहों पर कुछ खाने का ट्राई करना चाहें, तो भी हम वो भी नहीं कर सकते हैं। यह हमारे लिए सचमुच दम घुटने जैसा है। इससे पहले मिकी आर्थर ने भारत के खिलाफ हार के बाद आईसीसी टूर्नामेंट को बीसीसीआई

टूर्नामेंट बताया था। उन्होंने कहा था कि ईमानदारी से कहूं, तो भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी इवेंट नहीं लग रहा था। ऐसा लग रहा था कि जैसे ये द्विपक्षीय सीरीज का मैच खेला जा रहा हो। ये पूरी तरह बीसीसीआई का आयोजन लग रहा था।

हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप से हुए बाहर, टीम इंडिया को बड़ा झटका

नई दिल्ली । हार्दिक पंड्या के वर्ल्ड कप से बाहर होने के कारण टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के वर्ल्ड कप से बाहर होने का करण एंकल में चोट लगना बताया जा रहा है। गौरतलब है कि पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में हार्दिक के एंकल में चोट लगी थी। अपनी गेंदबाजी पर ही शॉट रोकने की कोशिश में उन्हें चोट लगी थी। इसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे थे। हालांकि उम्मीद जताई जा रही थी कि हार्दिक सेमीफाइनल तक वापस आ जाएंगे। लेकिन अब रिपोर्ट्स आई है कि वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की जगह टीम इंडिया में तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को जगह मिली है। गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह की तरह प्रसिद्ध भी करीब एक साल तक चोटिल थे। लेकिन आयरलैंड दौरे पर उनकी भी वापसी हुई थी। वह एशिया कप में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे। वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज खेली थी। उसमें भी प्रसिद्ध टीम का हिस्सा थे। प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत के लिए अभी तक 17 वनडे मैच खेले हैं। इसमें उनके नाम 29 विकेट हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 12 रन देकर 4 विकेट हैं। चोटिल होने से पहले वह टीम का नियमित हिस्सा थे। लेकिन उनके चोटिल होने के बाद मोहम्मद सिराज ने अपनी जगह पक्की कर ली। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंदौर वनडे में उन्होंने लगातार दो गेंद पर मैथ्यू शॉट और स्टीव स्मिथ को आउट किया था। भारतीय टीम का वर्ल्ड कप में अगला मुकाबला साउथ अफ्रीका से होना है। यह मैच 5 नवंबर को इडन गार्डन्स पर खेला जाएगा। 7 मैचों में 7 जीत के साथ भारतीय टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

बोपन्ना/एबडेन फाइनल में , वर्ल्ड नंबर 1 के करीब पहुंचे

पेरिस, रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन सीजन के अपने तीसरे खिताब पर कब्जा करने से एक जीत दूर हैं, उन्होंने हैरी हेलिओवारा और मेट पाविक को 6-7(3), 6-4, 10-6 से हराकर रोलेक्स पेरिस मास्टर्स के फाइनल में प्रवेश किया। एक कठिन संघर्ष में, तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपनी पहली सर्विस के 88 प्रतिशत (46/52) अंक जीते और महत्वपूर्ण क्षणों में मजबूत रहे, 89 मिनट के मैच में आगे बढ़ने के लिए सभी तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए। अगर बोपन्ना और एबडेन पेरिस में जीत हासिल करते हैं, तो भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई टीम इवान डोडिग और ऑस्टिन क्राईजेक को 60 अंकों से पीछे छोड़कर पेपरस्टोन एटीपी लाइव डबल्स टीम रैंकिंग में विश्व नंबर 1 बन जाएगी। मार्च में इंडियन वेल्स में जीत हासिल करने के बाद बोपन्ना और एबडेन वर्ष के अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब का पीछा कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले 14 मैचों में से 12 जीते हैं और यूएस ओपन और शंघाई के फाइनल में पहुंचे हैं। रविवार के खिताबी मुकाबले में उनका लक्ष्य एक कदम आगे जाने का होगा जब उनका सामना राजीव राम और जो सैलिसबरी या सैंटियागो गोंजालेज और एडवर्ड रोजर-वेसेलिन से होगा।

रचिन रवींद्र एक विश्व कप में तीन शतक बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने

बेंगलुरु,

रचिन रवींद्र आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के एक संस्करण में तीन शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जब वह यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को लीग चरण के मैच में तीन अंकों के आंकड़े तक पहुंचे। 23 वर्षीय रवींद्र ने 34वें ओवर में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर की गेंद पर एक रन लेकर इस विश्व कप में अपना तीसरा शतक पूरा किया, इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड (विश्व कप पदार्पण पर) और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाया था। अंततः उन्होंने 94 गेंदों में 114.89 के स्ट्राइक रेट से 15 चौके और एक छक्का लगाकर 108 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने केन विलियमसन (2019), मार्टिन गुप्टिल (2015) और ग्लेन टर्नर (1975) के पिछले न्यूजीलैंड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, जिनमें से सभी ने विश्व कप के एक संस्करण में दो शतक बनाए थे। टूर्नामेंट के 48 साल पुराने इतिहास में किसी खिलाड़ी के विश्व कप के पहले संस्करण में तीन शतक बनाने वाले रवींद्र पहले बल्लेबाज हैं। अपनी शानदार पारी के दौरान, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले रवींद्र ने इस विश्व कप में 500 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया, जो मार्टिन गुप्टिल और केन विलियमसन के बाद विश्व कप के एकल संस्करण में 500 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे बल्लेबाज बन गए। रवींद्र ने दो पुरुष अंडर19 विश्व कप में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया - 2016 में (बांग्लादेश में) और फिर 2018 में (न्यूजीलैंड में)। उनका तीसरा पुरुष एकदिवसीय विश्व कप शतक बेंगलुरु में आया, जिस शहर से उनके माता-पिता आए थे। जब भी उनके पिता रवि कृष्णमूर्ति अपनी क्रिकेट क्लब टीम को शहर के साथ-साथ भारत के अन्य स्थानों पर मैच खेलने के लिए ले जाते थे, तो रवींद्र स्वयं खेलते थे। संयोग से, रवींद्र बेंगलुरु स्टॉक एक्सचेंज बार में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक 2019 पुरुष वनडे विश्व कप फाइनल देख रहे थे।

भारत के खिलाफ मैच से अफगानिस्तान को थोड़ा आत्मविश्वास मिलाः जोनाथन ट्रॉट

लखनऊ, हालांकि पुरुष वनडे विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान मेजबान भारत से हार गया, लेकिन मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि इस मैच ने उनकी टीम को बल्लेबाजी के नजरिए से कुछ आत्मविश्वास दिया, जिसने उन्हें चार मैच जीतने के लिए प्रेरित किया, जिनमें से नवीनतम नीदरलैंड के खिलाफ आ गया। शुक्रवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में, अफगानिस्तान ने 31.3 ओवर में 180 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा किया, जिससे यह लगातार तीसरा क्लिनिकल रन-चेज़ बन गया और उनकी सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रहीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत के खिलाफ हमने टीम में थोड़ी फॉर्म देखी। जाहिर तौर पर हम मैच हार गए लेकिन फिर इससे हमें थोड़ा आत्मविश्वास मिला। मैंने कहा था कि हम पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला और फिर एशिया कप में कई करीबी मैच हार चुके हैं। ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷मैंने सिर्फ इतना कहा कि हमें बस 1-1 या 2 से शुरुआत करने की जरूरत है और हमें वह आत्मविश्वास मिलेगा और हमारे कदमों में थोड़ा सुधार आएगा और हम उन करीबी मैच को जीत सकते हैं लेकिन अगर हमें मौका मिलता है तो मैच पर हावी भी हो सकते हैं। अफगानिस्तान, जो अब अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है, अपने आखिरी दो लीग चरण मैचों में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। कुछ चीजें हैं जिन्हें हमें बेहतर बनाने की आवश्यकता है। हमें मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले मैच के लिए सुधार करने की जरूरत है।ट्रॉट ने कहा, लेकिन मैंने बहुत सी अच्छी चीजें भी देखीं जो हमें अगले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों के खिलाफ अच्छी स्थिति में खड़ा करेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे बना भारत का मानचित्र?

'मानचित्र' शब्द मात्र से ही बच्चों को भूगोल की कक्षा की याद आ जाती है किन्तु बच्चों ने शायद ही यह कभी सोचा होगा कि शुरूआत में ये मानचित्र बने कैसे ? आज हम यह बता रहे हैं कि मानचित्र का इतिहास क्या है और भारत का मानचित्र कैसे बना ?

ईसा के लगभग तीन हजार वर्ष पहले पृथ्वी के एक बड़े भू-भाग को 'भारतवर्ष' का नाम दिया गया। अनेक शताब्दियों के बाद सातवीं सदी में भारत के महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त ने गणित को शून्य की इकाई दी। मानचित्र की वैज्ञानिक विधि का आधार भी गणित ही है।

मानचित्रण की कला, क्षेत्रफल मापना आदि हमारे देश में पौराणिक काल से ही चले आ रहे हैं। महाभारत, रामायण के अतिरिक्त पाणिनी, पतंजलि, कौटिल्य एवं कालिदास के काव्य भौगोलिक वर्णनों से ओत-प्रोत हैं। मानचित्रण का विज्ञान पृथ्वी के आकार ज्ञान के बिना असंभव है, इस बात का आभास हमारे पूर्वजों को पहले से ही था।

पृथ्वी के आकार को जानने के लिए अक्षांश एवं देशान्तर के महत्व को भी हमारे पूर्वज समझ चुके थे। दार्शनिक इरंटोस्थेनीज (ई.पू. 278-198) ने पृथ्वी की परिधि का आकलन कर बनाए गए विश्व के मानचित्र को प्रस्तुत कर मानचित्रण की प्रथम वैज्ञानिक आधारशिला रखी।

महान गणितज्ञ खगोलविद् एवं भूगोलविद् क्लॉडियस टोल्मी ने दूसरी शताब्दी में भारत के मानचित्र को बनाया। पांचवीं शताब्दी में भारत के महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने 'सूर्य सिद्धांत' लिखा। इसमें पृथ्वी की परिधि 25080 मील बताई गई। इसके साथ ही अन्य खगोलशास्त्री वराहमिहिर एवं भास्कराचार्य ने पृथ्वी के आकार के अतिरिक्त गुरुत्वाकर्षण को भी खोज निकाला।

समय एवं विकास के साथ-साथ विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों की खोज में मनुष्यों की जिज्ञासा बढ़ती गई। पंद्रहवीं शताब्दी के अंतिम चरण में कोलंबस ने 1492 में प्रशांत महासागर पार कर लिया, वास्कोडिगामा ने 1497 में अफ्रीका तट छान लिया तथा मेगेलन ने 1519 से 1522 के मध्य सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगा लिया। अनुभवजन्य यात्राओं से एकत्रित भौगोलिक ज्ञान समयोपरांत वैज्ञानिक मानचित्रण का आधार बना।

पंद्रहवीं शताब्दी में छपाई कला का आविष्कार होने के बाद मानचित्र की प्रतियों को बनाना संभव हो गया। अकबर के दरबार में आए पादरी फादर मौन्सेरेट ने खगोलशास्त्रियों से प्राप्त विवरणों के आधार पर बादशाह के साम्राज्य का मानचित्र तैयार किया। अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल एवं बुद्धिमान प्रशासक शेरसाह सूरी के बनाए मानचित्रा नियमित भूमि-सर्वेक्षण पर आधारित थे। इन नक्शों की विश्वसनीयता ऐसी थी कि इनका प्रयोग अठारहवीं सदी के मध्य तक किया गया।

अकबर के राज्यकाल में ही सोलहवीं शताब्दी में जमीन की माप मूंज की रस्सियों के स्थान पर लोहे की कड़ियों से जुड़ी बांस की जरीबों से की जाने लगी। फ्रांसीसी भूगोलविद जॉ-वैपाडिस्ट ने 1752 ई. में भारत का मानचित्र बनाकर देश के भौगोलिक ज्ञान को एक वैज्ञानिक दिशा दी।

सत्राहवीं शताब्दी के मध्य तक त्रिकोणमितीय तकनीक अर्थात् खगोलविद्या की सहायता से स्थान विशेष की स्थिति जानने का ज्ञान हो चुका था। जयपुर के महाराजा जयसिंह (1693-1743) ने जयपुर, दिल्ली, मथुरा, उज्जैन एवं वाराणसी में खगोल वेधशालाएं (जंतर-मंतर) बनाकर भारत में इस कार्य में अग्रणी योगदान दिया। अठारहवीं शताब्दी के मध्य में अक्षांश एवं देशांतर मापने के लिए भारत में अनेक वेधशालाएं बनाई गई। इसमें सेक्सटेंट, क्रोनोमीटर एवं टेलिस्कोप आदि यंत्रों का प्रयोग किया जाने लगा। इसके बाद एक जनवरी 1767 को ईस्ट इंडिया कंपनी के मेजर जेम्स रेनल को बंगाल का सर्वेयर जनरल नियुक्त किया गया। रेनल ने सेवानिवृत्ति के बाद 1783 ई. में मैप ऑफ हिंदुस्तान प्रकाशित किया जिसमें समय-समय पर सुधार करते हुए इसे वैज्ञानिक बनाया गया। इस प्रकार हमारे भारत का मानचित्र तैयार हो गया जो पूर्णरूप से वैज्ञानिक होने के साथ ही विश्वसनीय भी है। आज जिस मानचित्र का उपयोग हम कर रहे हैं, उसका पूर्ण श्रेय जेम्स रेनल को ही जाता है। यह बात अलग है कि समयानुसार उसमें सुधार किया जाता रहा है।

उड़ चली नॉन्गडांगनू

आया फूम का घर के काम में मन नहीं लगता था। वह हमेशा मौके का इंतजार करती कि नॉन्गडांगनू के पैनथाऊ यानी पापा घर से बाहर निकलें तो वह मोहल्ले भर की खबर लेने-देने पड़ोसियों के घर चली जाए। इधर वहां वह गप्पें मारती।

नॉन्गडांगनू बहुत प्यारी-सी दस साल की बच्ची थी। उसका छोटा भाई तमेंग करीब चार साल का था। जब वह बहुत छोटी थी, तब एक एक्सीडेंट में उसकी मम्मी चल बसी थीं। उसके पापा बिजनेसमैन थे। उन्हें अक्सर बिजनेस के सिलसिले में एक शहर से दूसरे शहर में जाना पड़ता था। इस कारण नॉन्गडांगनू और उसके छोटे भाई या इबुनगो को घर पर अकेले रहना होता था। नॉन्गडांगनू तो समझदार थी, पर तमेंग बहुत डरपोक था। वह उसे एक पल भी नहीं छोड़ता था। इसलिए नॉन्गडांगनू के पापा ने घर और बच्चों की देखभाल के लिए एक आया फूम को रख लिया। आया फूम का घर के काम में मन नहीं लगता था। वह हमेशा मौके का इंतजार करती कि नॉन्गडांगनू के पैनथाऊ यानी पापा घर से बाहर निकलें तो वह मोहल्ले भर की खबर लेने-देने पड़ोसियों के घर चली जाए। इधर वहां वह गप्पें मारती। उधर घर का सारा काम नॉन्गडांगनू को करना पड़ता। वह बर्तन मांजती, धान कूटती, खाना बनाती, कपड़े धोती। नदी से पानी भरकर लाती। जंगल से लकड़ी चुनकर लाती। कुल मिलाकर छोटी-सी बच्ची सुबह से लेकर रात तक काम करती। फिर भी आया फूम उसे डांटती-फटकारती रहती। कभी-कभी तो फूम नॉन्गडांगनू की पिटाई करती और खाने को भी नहीं देती। ऐसे में नॉन्गडांगनू को भूखे ही सोना पड़ता। नॉन्गडांगनू का भाई तमेंग हर समय उसके साथ रहता। जब वह पानी लेने नदी या लकड़ी लेने जंगल की ओर जाती तब वह घर के दरवाजे पर बैठा उसका इंतजार करता रहता। फूम घर में कभी-कभी नहीं होती, तो तमेंग नॉन्गडांगनू को कुछ अच्छा खाना भी खिला देता। वह खुश हो जाती। फिर काम निपटाकर नॉन्गडांगनू और तमेंग खेलने में मगन हो जाते। वह अपनी बहन यानी इची को बहुत प्यार करता था। लेकिन उस दिन नदी किनारे बहन-भाई यानी इबुनगो-इचि में ककड़ी खाने को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर नॉन्गडांगनू ने अपने भाई तमेंग को धक्का दे दिया। वह नदी में गिर पड़ा। वह भागी-भागी घर आई। पहले तो नॉन्गडांगनू खुद डर गई। यह सोचकर कि कहीं उसका भाई नदी में डूब तो नहीं गया। फिर उसने हिम्मत कर घर आकर फूम को पूरी बात बताई। फूम तो सुनकर आग बबूला हो गई। मन-ही-मन वह भी डर गई कि वह अपने मालिक को क्या बताएगी। उसने नॉन्गडांगनू को येनखा यानी घर के बरामदे में बंद कर दिया और खुद नदी की ओर भागी। संयोग अच्छा था। उसे तमेंग नदी के किनारे बेहोश पड़ा मिला। थोड़ी ही देर में वह उसे लेकर घर लौट आई। इसके बावजूद फूम का गुस्सा कम नहीं हुआ।

रात भर येनखा में नॉन्गडांगनू अकेले पड़ी रोती रही। सुबह-सुबह उसे आसमान में सारस का जोड़ा दिखाई दिया। उसने उनसे प्रार्थना की, 'ओ वैनू, मेहरबानी कर मुझे भी अपने साथ ले चलो'। सारसों ने कहा, 'हमें माफ करना। हम तुम्हें साथ नहीं ले जा सकते।' नॉन्गडांगनू ने कहा, 'अगर साथ नहीं ले जा सकते तो मुझे एक पंख दे जाओ।' दोनों सारसों ने अपने पंख फड़फड़ाए और सफेद पंख नीचे गिरने लगे। नॉन्गडांगनू ने सारस के पंखों को इकट्ठा कर लिया। फिर उसके घर के ऊपर से कौए, तोते, गौरैया, मैना, कबूतर, बया वगैरह कई चिड़िया गुजरीं। नॉन्गडांगनू ने सभी से इसी तरह आग्रह कर ढेर सारे रंग-बिरंगे पंख इकट्ठे कर लिए। उसने एक-एक पंख को जोड़कर फी यानी शॉल बनाया और उसे ओढ़ लिया। फिर उसे ओढ़कर वह उड़ने लगी। उसे देखकर, उसके भाई ने आवाज दी, 'ओ इची!' (बहन) अपने भाई की आवाज को उसने अनसुना कर दिया। फिर उसके पैनथाऊ यानी पापा ने आवाज दी, 'ओ इबेम्मा!' (मेरी प्यारी बेटी) नॉन्गडांगनू अपने पैनथाऊ यानी पापा की आवाज को सुनकर भावुक हो गई। उसने आंख में आंसू भर कर कहा, 'अलविदा पापा! अब आप मुझे कभी मत ढूंढ़ना। मैं हूं उचेक लैंगमिडॉन धनेश' (पहाड़ों की बेटी)।

दुनिया का सबसे अनोखा गांव

जहां हर घर में है प्लेन

यह दुनिया की एक ऐसी अनोखी बस्ती है, जहां हर लगभग घर में एक प्लेन जरूर है। यह अमेरिका के नॉर्थ-ईस्ट फ्लोरिडा में स्थित है। इसे स्प्रूस क्रीक के नाम से जाना जाता है और यह डेटॉना बीच से कुछ मील की दूरी पर है।

इसे एयर-पार्क या फ्लाई-इन-कम्युनिटी के नाम से भी जाना जाता है। स्प्रूस क्रीक में 1,300 घर हैं और यहां 700 प्लेन हैं। इस गांव की आबादी करीब 5,000 है। यहां के अधिकांश घरों में निजी प्लेन खड़े हुए दिखाई देते हैं। इस यूनीक गांव में एक निजी एयरफील्ड है। यहां का एक ड्राइव-वे सीधे रनवे से जोड़ता है। रनवे 4000 फीट लंबा और 150 फीट चौड़ा है। अनोखे गांव स्प्रूस क्रीक में 18 होल वाला गोल्फ कोर्स, कई फ्लाइंग क्लब, निजी एयरक्राफ्ट्स, फ्लाइट ट्रेनिंग और 24 घंटे पेट्रोलिंग करने वाली सिक्युरिटी है। जिन लोगों की जिंदगी एयरप्लेन से जुड़ी है, उनके लिए स्प्रूस क्रीक स्वर्ग जैसी जगह है। अमेरिका के सुप्रसिद्ध एक्टर और पॉयलट जॉन पार्क ट्रैवोल्टा भी यहां कई साल रह चुके हैं। हालांकि, यहां के कई लोगों को शिकायत थी कि जॉन बोइंग 707 से उड़ते थे, जिससे यहां आने और जाने बहुत अधिक शोर होता था। जॉन ने यह बोइंग भाड़े पर ले रखा था। इससे एक दिक्कत और भी होती थी कि 250,000 पाउंड वजनी बोइंग को यहां की छोटी हवाई पट्टी में उतरने में परेशानी होती थी। स्प्रूस क्रीक रेसीडेंशियल एयर-पार्क का कॉन्सेप्ट सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद का है। यह ऐसा वक्त था, जब अमेरिका को अतिरिक्त एयरफील्ड और पॉयलट्स की जरूरत थी। 1946 के बाद अमेरिकी सरकार ने पूरे देश में 6,000 रेसीडेंशियल एयर-पार्क बनाने की योजना बनाई थी। यह योजना पूरी कभी नहीं हो सकी, लेकिन यह बस्ती उसी योजना के तहत बसाई गई थी। स्प्रूस क्रीक में निवेश होने से यहां फ्लाई कम्युनिटीज का एक बड़ा एक्टिव नेटवर्क तैयार हो गया। अमेरिका के एरिजोना, कोलोरोडा, फ्लोरिडा, टेक्सास और वॉशिंगटन की बड़ी फ्लाई कम्युनिटीज के बीच स्प्रूस क्रीक सबसे विशाल है। गांव के लोगों के घर के गैराज और मैदान में खूबसूरत सेसना, पाइपर, पी-51 मुस्टांग, एल-39 एलब्रेट्रोज, एन इक्लिप्स 500, फ्रैंच फौगा मैजिस्टर खड़े हैं। इस गांव में एक रसियन मिग-15 फाइटर जेट भी है। स्प्रूसक्रीक में विमान के अलावा लैंबोरघिनी, कारवेट्स और पोर्स जी2 जैसे महंगी लग्जरी कारें भी देखने को मिल जाएंगी।

स्विमिंग पूल जिसमें उतरने पर गीले नहीं होते कपड़े

जापान के कनाजावा में ऐसा अनोखा स्विमिंग पूल है, जिसमें उतरने के बावजूद आप गीले नहीं होंगे। यहां चल सकते हैं और पानी के अंदर होने की अनुभूति प्राप्त कर सकते हैं। यह 21वीं सदी के म्यूजियम ऑफ आर्ट में स्थापित है। जब आप पूल के डेक पर होते हैं, तो वह गहरा और पानी से भरा नजर आता है। लेकिन जैसे ही डुप्लेक्स गैलरी में उतरते हैं, चौंक जाते हैं। इसे एक आर्टिस्ट लिन्ड्रो इर्लिच ने तैयार किया है। म्यूजियम के कोर्टयार्ड में चूने के पत्थर से स्वीमिंग पूल का एक फ्रेम बनाया गया है। जब इसे डेक से देखा जाता है, तो यह गहरा है और पानी से भरा दिखाई देता है। वास्तव में पारदर्शी शीशे के अंदर केवल 10 सेमी पानी भरकर बनाई गई यह एक लेयर है। मुड़े हुए शीशे में पानी भरा जाता है तो इससे गहराई अधिक दिखाई देती है। ग्लास के नीच एक खाली स्पेस है, जिसकी दीवारें एक्वामरीन हैं। इस स्पेस के अंदर भी लोग घुस सकते हैं। यह आर्टिफिशियल पूल अपने आप में अमेजिंग दिखाई देता है।

अमेरिका ने इजराइल को 14.5 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने को मंजूरी दी

वाशिंगटन । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने हमास के साथ युद्ध कर रहे इजराइल को 14.5 अरब डॉलर की सैन्य सहायता मुहैया करने को मंजूरी दी। यह मंजूरी हमास के साथ इस युद्ध में इजराइल के प्रति अमेरिका के व्यापक समर्थन को दर्शाती है, लेकिन इसके कारण सदन के नए स्पीकर माइक जॉनसन का दलगत रुख भी देखने को मिला जो डेमोक्रेटिक पार्टी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए सीधी चुनौती बन गया। जॉनसन ने तय नियमों से परे जाकर रिपब्लिकन पैकेज की वकालत की, जिसमें आपात सहायता देने के लिए अन्य सरकारी खर्चों में कमी करने की बात की गई है। इसने सदन में रिपब्लिकन पार्टी के नए रूढ़ीवादी नेतृत्व को स्थापित किया, लेकिन जिस विधेयक को आमतौर पर दोनों दल का समर्थन मिलने की संभावना थी, इस लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सांसद बंट गए। बाइडन ने कहा है कि वह विधेयक को लेकर वीटो का इस्तेमाल करुंगा। डेमोक्रेटिक पार्टी का कहना है कि रिपब्लिकन पैकेज से इजराइल को मदद पहुंचाने में देरी होगी। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा है कि ''आश्चर्यजनक रूप से गैर गंभीर'' विधेयक के सीनेट में पारित हो पाने की कोई संभावना नहीं है। युद्ध में इजराइल का समर्थन करने के लिए संसद में पहला महत्वपूर्ण विधायी प्रयास बाइडन के लगभग 106 अरब डॉलर के उस अनुरोध से बहुत कम है, जिसमें रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को मदद करने, चीन से निपटने के लिए अमेरिकी प्रयासों को आगे बढ़ाने और मैक्सिको के साथ लगती सीमा पर चुनौती से निपटने का भी प्रावधान किया गया था। विधेयक में इजराइल के लिए उतनी ही राशि देने की बात की गई है, जितनी रकम का बाइडन ने अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास एवं कार्यालय ने कहा कि रिपब्लिकन योजना में गाजा के लिए मानवीय सहायता को शामिल नहीं करना एक ''बड़ी गलती'' है क्योंकि इससे संकट गहरा गया है।

शरारती फोन कॉल की शिकार हुई प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी

– रूसी हास्य अभिनेता ने बनाया बेवकूफ

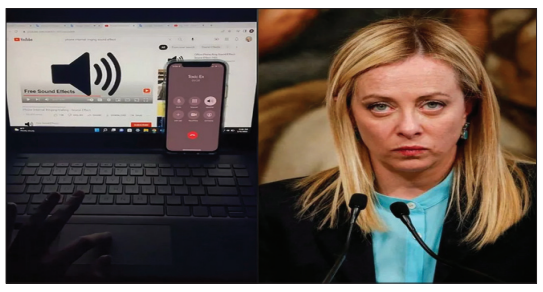

रोम । अपने ही देश में विपक्षी नेताओं से आलोचना झेलने वाली इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा कि उनके मुख्य राजनयिक सलाहकार ने इस्तीफा दे दिया है। उन्हें एक शरारती फोन कॉल से धोखा दिया गया था जिसमें उन्होंने यूक्रेन में युद्ध और प्रवासन पर चर्चा की थी। मेलोनी ने कहा कि पहले नाटो और इजराइल में इटली के राजदूत के रूप में कार्यरत फ्रांसेस्को टैलो ने असफलता के कारण पद छोड़ दिया है। अफ्रीकी संघ के उच्च-स्तरीय अधिकारी के नाम पर आए एक कॉल में मेलोनी ने कई विषयों पर अहम टिप्पणियां की। इसमें कहा गया कि इटली को प्रवासन पर नकेल लगाने पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा। मेलोनी ने फोन कॉल पर कहा कि यूक्रेन युद्ध से बहुत थकान है और सभी को जल्द ही एहसास होगा कि दोनों देशों को स्थायी समाधान की जरूरत है। इटली के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बाद में पुष्टि की कि फोन करने वाला वास्तव में अफ्रीकी संघ का अधिकारी नहीं था, बल्कि एक रूसी हास्य अभिनेता था जो उन्हें बेवकूफ बनाने में कामयाब रहा। इस पर पीएम मेलोनी ने खेद जताकर कहा कि भ्रामक फोन पर बताया गया कि फोन करने वाले अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष मौसा फाकी है। इस सप्ताह की शुरुआत में बातचीत की टिप्पणियाँ ऑनलाइन जारी होने के बाद मेलोनी ने कॉल करने वाले की पर्याप्त रूप से स्क्रीनिंग करने में विफल रहने के लिए अपने कर्मचारियों को दोषी ठहराया।

आतंकियों के हमले से बलूचिस्तान में 14 सैनिकों की मौत

कराची । पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में आतंकी हमले के दौरान 14 सैनिकों के मारे जाने की खबर है। यह हमला शुक्रवार को आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के दो वाहनों पर घात लगाकर किया। गौरतलब है कि बलूचिस्तान में शुक्रवार को हुआ आतंकवादी हमला इस साल का सबसे वीभत्स हमला माना जा रहा है, जिसमें पाकिस्तानी सेना के सबसे ज्यादा सैनिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आतंकवादियों ने यह हमला उस वक्त किया, जब सैनिकों के दो वाहन पसनी से ग्वादर जिले के ओरमारा इलाके में जा रहे थे। सेना के बयान के मुताबिक, इलाके में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है और इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले अपराधियों को पकड़कर न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। सेना की मीडिया शाखा ने हालांकि हमले के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी है।

गाजा पट्टी से सामने आई भयावह तस्वीर, सड़क पर लाशें बिछी

गाजा । इजराइल हमास युद्ध में गाजा पट्टी में भारी तबाही देखने में मिल रही हैं। गाजा पट्टी के कोस्ट रोड से भयावह तस्वीर सामने आई है। जिसमें सड़क पर लाशें बिछी है। इजरायली हमले के बाद गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो चुका है। लेकिन हमास आतंकी अभी भी मान नहीं रहे हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय प्रवक्ता ने कहा, हम लोगों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक रेड क्रॉस को इसकी सूचना दी है। हमास समर्थित टीवी चैनल ने कहा था कि इस हमले के बहुत लोगों की जान गई है, लेकिन जो बयान जारी किया गया है, उसमें हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इजराइल ने गाजा के बड़े अस्पताल अल-शिफा को निशाना बनाया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि इजराइली सेना ने पहले अस्पताल और फिर एंबुलेंस में घायलों को दूसरी जगह ले जाते समय उन पर हमला किया गया। ताजा बमबारी में कई लोग मारे गए हैं। आईडीएफ की ओर से कहा गया है कि वह इसकी जांच कर रही है।

फलस्तीनी कामगारों ने इजराइल पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

तेल अवीव । फलस्तीनी कामगारों ने इजरायल पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इससे पहले इजराइल ने देश में काम कर रहे गाजा पट्टी के हजारों फलस्तीनी कामगारों को वापस संघर्षरत क्षेत्र में भेज दिया है। फलस्तीनी प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी है। हालां?कि कुछ कामगार सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमास द्वारा किए गये हमले के बाद से सील की गयी सीमा को पैदल पार करते हुए दिखे। उन्हें इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से हिरासत केंद्रों में रखा गया था। कामगारों ने हिरासत केंद्रों में इजराइली प्राधिकारियों द्वारा हिंसक दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। वहीं इजराइली सेना ने अभी इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एक कामगार वाइल अल-सजदा ने कहा है कि हमने त्याग किया और उन्होंने वहां हमारे साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया। बता दें कि अल-सजदा गाजा के उन तकरीबन 18,000 फलस्तीनियों में शामिल हैं जिन्हें इजराइल में मामूली काम से संबंधित नौकरियों पर रखा गया था। लोग बताते हैं ?कि इजराइल में काम करने के परमिट की गाजा में काफी अहमियत थी जहां बेरोजगारी दर 50 फीसदी के करीब पहुंच रही है। इजराइल ने हाल के वर्षों में परमिट देना शुरू किया था। इजराइल ने बृहस्पतिवार देर रात घोषणा की कि वह कामगारों को दिया जाने वाला परमिट रद्द कर रहा है और इन कामगारों को वापस गाजा पट्टी भेजा जाएगा।शुक्रवार को घर लौटे कामगारों ने इजराइली जेलों में रखे जाने की बात कही। वहीं कुछ लोगों के शरीर पर खरोंचें और अन्य चोटें थी जिसे उन्होंने इजराइली दुर्व्यवहार का कारण बताया।

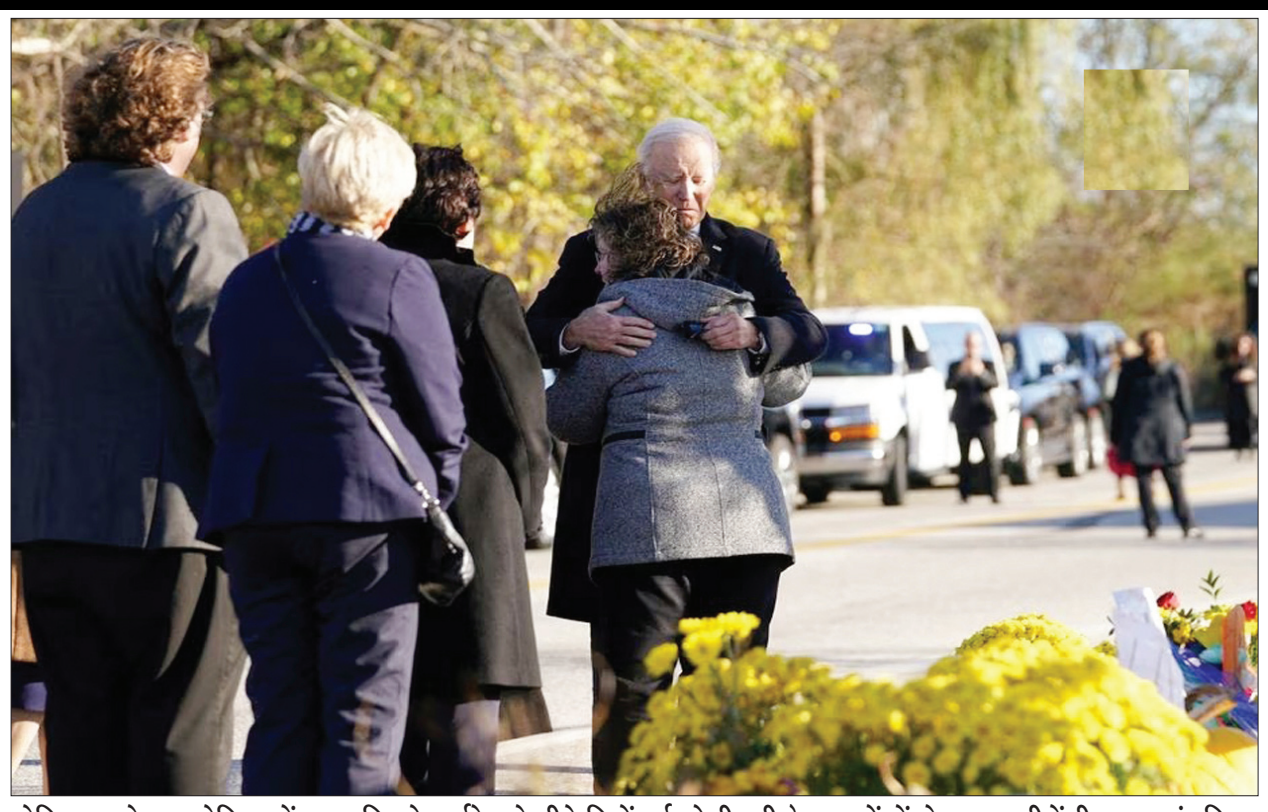

लेविस्टन, मेन, अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाईडेन ने बीते दिनों हुई गोलीबारी के स्थानों में से एक, स्कीमेंजीस बार एंड ग्रिल रेस्तरां के सह-मालिक कैथी लेबल को गले लगाया, क्योंकि वह पीड़ितों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं।

पाकिस्तान के मियांवाली एयरबेस पर आतंकी हमला

-दीवार फांदकर घुसे 9 आतंकी ढेर; 3 एयरक्राफ्ट और फ्यूल टैंकर तबाह

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मियांवाली एयरबेस पर शनिवार सुबह आतंकी हमला हुआ। हथियारों से लैस आत्मघाती हमलावर एयरफोर्स के ट्रेनिंग बेस में घुस गए। इस दौरान एयरबेस के पास गोलियों और धमाके की तेज आवाजें सुनाई दीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तहरीक-ए- जिहाद पाकिस्तान ने हमले की जिम्मेदारी ली है। आतंकी सीढ़ी के जरिए दीवार फांदकर एयरबेस में दाखिल हुए थे।

पाकिस्तानी एयरफोर्स ने कहा- समय रहते हमारे सैनिकों ने एक बड़े हमले को नाकाम कर दिया। एयरबेस के अंदर और आसपास के इलाकों में फाइनल ऑपरेशन चलाया गया। इसमें 9 आतंकवादियों को मार गिराया है। मुठभेड़ के दौरान एक फ्यूल टैंकर और 3 एयरक्राफ्ट तबाह हो गए।

पाकिस्तान में 24 घंटों में 2 आतंकी हमले

पाकिस्तान पर 24 घंटे में 2 आतंकी हमले हुए हैं। इससे पहले शुक्रवार रात ग्वादर में सेना की 2 गाड़ियों पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 14 सैनिक मारे गए थे। हमले के वक्त सैनिक पसनी से ओरमारा की तरफ जा रहे थे। इसके बाद से इलाके में आतंकियों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा, शुक्रवार को ही खैबर पख्तूनख्वा के कई इलाकों में इंटेलिजेंस के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन्स में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आत्मघाती हमलावर सहित दो आतंकवादी मारे गए। जबकि दो घायल हो गए।

हमास पर इजरायल का सबसे बड़ा हमला

आतंकियों के आका इस्माइल हानिया के घर पर मिसाइल अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के 29वें दिन इजरायली सेना ने हमास के मुखिया इस्माइल हानिया के घर पर मिसाइल अटैक किया है। अल-अक्सा रेडियो ने शनिवार को बताया कि एक इजरायली ड्रोन ने इस्माइल हानिया के गाजा स्थित घर पर मिसाइल दागी। हालांकि, इस हमले के दौरान वो अपने घर पर मौजूद नहीं था। वहां उसका परिवार रहता था, लेकिन हमले के वक्त कोई सदस्य मौजूद था या नहीं, ये अभी तक पता नहीं चल पाया है। हमास का राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनिया साल 2019 से गाजा पट्टी के बाहर तुर्की और कतर के बीच रह रहा है।

जानकारी के मुताबिक, इजराइल ने गाजा शहर को चारों तरफ से घेर लिया है। दो दिन के भीतर ही 150 से ज्यादा हमास के आतंकी मारे गए हैं। अमेरिकी ड्रोन सुरंगों के पास बंधकों को ढूंढ रहे हैं। इजरायली सेना ने जब से गाजा पर सीधा हमला किया है तब से तीन तरफ से गाजा को घेरा जा रहा है। इजरायल ने गाजा को दो हिस्सों मे बांट दिया है। इजरायल का दावा है कि अब तक वो 1000 हमास आतंकियों को ढेर कर चुका है, जबकि उसके 24 सैनिक मारे गए हैं। मौता का आकडा भी लगातार बढ़ रहा है। केवल गाजा में 10 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि इजरायल में 1400 मौत हुई हैं।

गाजा में इजरायली सेना के निशाने पर चार प्रमुख जगहें

इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा है कि उसके सैनिक हथियारों और एयरक्राफ्ट्स के जरिए हमास पर हमले कर रहे हैं। मुख्य तौर पर चार जगहें निशाने पर हैं। एक हमास के कमांड सेंटर, दो लॉन्चिंग पोजिशन, तीन सुरंगे और चौथे एंटी टैंक मिसाइल लॉन्चिंग सेंटर। इजरायली सेना ने अपने सैन्य अभियानों का एक वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में उसने अपने वायु सेना और नौ सेना बलों द्वारा किए गए हमलों को दिखाया है। उधर हमास ने वीडियो जारी करके बताया कि कैसे उसके लड़ाके इजरायली सेना से लोहा ले रहे हैं। हमास की मिलिट्री विंग ने गाजा में इजरायली टैंक पर हमले का भी एक वीडियो जारी किया है।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के पास इजरायल का हमला

आर-पार की जंग में गाजा पट्टी की जमीन पर उतरी इजरायली सेना हर उस जगह पर हमले कर रही, जहां आतंकियों के ठिकाने संभव हो सकते हैं। इसी कड़ी में इजरायल ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा के आसपास हमला किया है। इस हमले के बाद वहां अस्पताल के बाहर लोग खून से लथपथ पड़े है। चीख रहे हैं। कई तबाह कारों और एबुलेंसों के बीच इजरायली हमले में घायल लोग यहां वहां पड़े हैं। हर तरफ चीख पुकर मची है। कुछ लोग घायलों को लेकर अस्पताल की तरफ दौड़ रहे हैं।

हमास को मिल गया किम का साथ, उत्तर कोरिया के हथियारों से होगा इजरायल में नरसंहार?

प्योंगयांग (एजेंसी)। गाजा में इजरायल के हमलों से घिरा हमास किम जोंग के हथियारों से पलटवार करने वाला है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग हमास को हथियारों का जखीरा देने वाले हैं। दक्षिण कोरिया खुफिया एजेंसी ने ये दावा किया है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के मुताबिक जंग का फायदा उठाने के लिए किम जोंग मीडिल ईस्ट में हथियार बेच सकते हैं। किम जोंग ने अधिकारियों को फिलिस्तिनियों का सपोर्ट करने के लिए भी कहा है। अगर ये दावा सच है तो हमास को इस युद्ध में बड़ी मदद मिल सकती है।

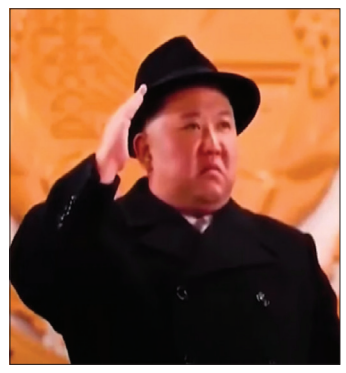

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया ने पहले भी हमास को एंटी टैंक रॉकेट लॉन्चर बेचे हैं और कहा है कि ऐसी संभावना है कि प्योंगयांग गाजा में युद्ध के बीच और अधिक हथियार निर्यात करने की कोशिश करेगा। योनहाप न्यूज़ की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, यह दावा दक्षिण कोरियाई सांसदों द्वारा भी किया गया था। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि 7 अक्टूबर के हमले की तस्वीरों और वीडियो के आधार पर ऐसा लगता है कि हमास के आतंकवादी उत्तर कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे। दक्षिण कोरियाई अधिकारी, उत्तर कोरियाई हथियारों के दो विशेषज्ञ और इजराइल द्वारा युद्ध के मैदान में पकड़े गए हथियारों पर एसोसिएटेड प्रेस की एक रिपोर्ट में हमास द्वारा प्योंगयांग के एफ-7 रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड का उपयोग करने की ओर इशारा किया गया है, जो कंधे से दागा जाने वाला एक हथियार है जिसे लड़ाकू आमतौर पर बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मैट श्रोएडर, स्मॉल आर्म्स सर्वे के एक वरिष्ठ शोधकर्ता, जिन्होंने प्योंगयांग के हल्के हथियारों के लिए एक गाइड लिखा था, ने कहा कि हमास ने रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड के साथ लॉन्चर के साथ अपने लड़ाकू विमानों की तस्वीरें प्रकाशित कीं, जिसके वारहेड पर एक विशिष्ट लाल पट्टी थी, और अन्य डिज़ाइन तत्व मेल खाते थे।

इजरायल और हमास की जंग में हिजबुल्लाह ने दी धमकी

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में अब हिजबुल्लाह की सीधी इंट्री हो गई है। पहली बार है जब लेबनानी चरमपंथी ग्रुप हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह ने गाजा पर हमलों को लेकर भाषण दिया है। जिसमें उन्होंने इजरायल के साथ-साथ अमेरिका को भी चेतावनी दी है। दरअसल, 3 नवंबर को नसरल्लाह ने अपने भाषण के दौरान इस बात की खुलकर घोषणा नहीं की कि हिजबुल्लाह पूरी तरह से इज़राइल-हमास युद्ध में शामिल हो गया है, हालांकि उन्होंने इजरायल को हिज़्बुल्लाह के खिलाफ कोई आक्रामक हमला न करने की चेतावनी दी। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका पर भी निशाना साधा। बता दें कि 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के घातक हमले के बाद उनकी यह पहली टिप्पणी है।

हसन नसरल्लाह ने अपनी स्पीच में कहा कि मैं इजरायलियों को साफ कर देना चाहता हूं कि अगर वे लेबनान के खिलाफ हमले करने पर विचार कर रहे हैं तो यह आपके उनके पूरे अस्तित्व में की गई सबसे मूर्खतापूर्ण गलती होगी।

बता दे कि इससे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिज़्बुल्लाह और उसके संरक्षक ईरान को युद्ध में प्रवेश करने के खिलाफ चेतावनी दी है और भूमध्य सागर में युद्धपोत भेजे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नसरल्लाह ने कहा कि इससे कुछ होने वाला नहीं है, हम डरने वाले नहीं हैं। हिजबुल्लाह के नेता ने कहा कि फिलिस्तीनी लोग 75 साल से ज्यादा समय से परेशानी का सामना कर रहे हैं, लेकिन पिछले दिनों ये परेशानी काफी बढ़ गई है. इजराजल का क्रूर शासन फिलिस्तीन पर लगातार हमले कर रहा है. ऐसे में हालात और बिगड़ सकते हैं। बेरूत के आशूरा स्क्वायर में एक विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए लेबनानी शिया चरमपंथी संगठन के महासचिव नसरल्लाह ने चार सप्ताह पहले दक्षिणी इजरायल में हमास के हमले की प्रशंसा की, जिसमें 1,400 से अधिक लोग मारे गए थे। हालांकि उन्होंने इस दौरान इस बात का भी जिक्र किया कि उनके मिलिशिया का इसमें कोई हिस्सा नहीं था।

दरियादिली: पाकिस्तान से बेदखल किए गए अफगानियों के लिए शेल्टर होम बनाएगा तालिबान

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान से निकाले जा रहे अफगानी शरणार्थियों के प्रति तालिबान काफी दरियादिली दिखा रहा है। शरणार्थियों की स्थिति देखते हुए उसके मन में रहम का भाव पैदा हो गया है। शायद यही कारण है कि तालिबान ने अफगानी शरणार्थियों के लिए शेल्टर होम खोलने की घोषणा कर दी है। काबुल में तालिबान शासन ने घोषणा की है कि वह पाकिस्तान से घर लौटने वाले हजारों अफगान शरणार्थियों के लिए होम शेल्टर बनाएगा, क्योंकि पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को देश से बाहर भेजने के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया तैयार की है।

कार्यवाहक शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्री खलील रहमान हक्कानी ने पाकिस्तान की बॉर्डर से लगे तोरखम क्रॉसिंग पॉइंट की अपनी हालिया यात्रा के दौरान होम शेल्टर को बनवाने निर्देश दिया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में 1,50,000 से अधिक अफगान शरणार्थी तोरखम के रास्ते पाकिस्तान से घर लौट आए हैं।बता दे कि शरणार्थियों के लिए पाकिस्तान छोड़ने की समय सीमा 1 नवंबर को खत्म हो गई है। इस बीच, देश में अभी भी मौजूद सैकड़ों गैर-दस्तावेजी अफगान शरणार्थियों को पकड़ने के लिए पूरे पाकिस्तान में कार्रवाई चल रही है। पाकिस्तान ने अपने कठोर फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र, अधिकार समूहों और पश्चिमी देशों के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया है और कहा है कि सुरक्षा चिंताओं के बीच वह वही कर रहा है जो उसे करना है।

तालिबान शासन के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि तोरखम में अधिकारी 3 नवंबर को लौटने वालों के लिए 10,000 लंच और 30,000 डिनर की तैयारी कर रहे हैं।पाकिस्तान ने मेजबान देश में दशकों तक रहने के बाद 1.7 मिलियन बिना दस्तावेज वाले अफगान शरणार्थियों को उनके देश अफगानिस्तान में वापस भेजने का फैसला किया, जबकि तालिबान शासन ने इस्लामाबाद से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। बता दें ?कि 2 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश तोरखम सीमावर्ती शहर के माध्यम से और कुछ स्पिन बोल्डक जैसे दूसरे क्रॉसिंग प्वाइंट्स के जरिए कथित तौर पर पिछले महीने में अपने वतन लौट आए हैं।

नेपाल में भूकंप से मरने वालों की संख्या 250 के पार, 150 गंभीर, राहत एवं बचाव कार्य जारी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। भूकंप से गिरे मलबे में अभी भी लोग दबे हुए है उन्हे निकालने के प्रयास किए जा रहे है। वहीं घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार रात नेपाल में 6.4 की तीव्रता से आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए।

नेपाल में भूकंप से जानमाल को काफी नुकसान हुआ है। इस घटना में लगभग 250 लोगों की मौत होने की खबर है। जबकि लगभग 150 की हालत गंभीर बताई जा रही है। रुकुम पश्चिम में 40 और जाजरकोट में 38 लोग मारे गए हैं। रुकुम पश्चिम के डीएसपी नामराज भट्टराई और जाजरकोट के डीएसपी संतोष रोक्का के हवाले से ये जानकारी सामने आई है। शनिवार सुबह 3 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार, जाजरकोट और पश्चिमी रुकुम में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। अकेले जाजरकोट में 44 मौतें हुई हैं। जाजरकोट जिले के पुलिस उपाधीक्षक संतोष रोका ने बताया कि मृतकों में नलगढ़ नगर पालिका की उपमहापौर सरिता सिंह भी शामिल हैं। जजरकोट में 55 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उनमें से पांच को सुरखेत के करनाली प्रांत अस्पताल ले जाया गया है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' शनिवार सुबह एक चिकित्सकीय दल के साथ घटना स्थल रवाना हुए। उन्होंने बताया कि नेपाल सेना और नेपाल पुलिस को बचाव कार्य में लगाया गया है।प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि पश्चिमी रुकुम में मरने वालों की संख्या 40 तक पहुंच गई है। पश्चिमी रुकुम जिले के पुलिस उपाधीक्षक नमराज भट्टाराई ने इसकी जानकारी दी है। आथबिस्कोट नगर पालिका में 38 लोगों के मरने की सूचना है। सानीभेरी ग्रामीण नगर पालिका में पांच और लोगों की मौत हुई है। शुक्रवार की रात करीब 11 बजकर 32 मिनट पर आए भूकंप के कारण लोगों को अपने घरों से बाहर निकलना पड़ा। भूकंप का केंद्र नेपाल में अयोध्या से लगभग 227 किलोमीटर उत्तर और काठमांडू से 331 किलोमीटर पश्चिम उत्तर-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई में था। नेपाल में एक महीने में तीसरी बार तेज भूकंप आया है।

गुरुग्राम के निवासी इंद्रजीत सिंह ने कहा, जब हम टेलीविजन देख रहे थे, तभी काफी देर तक झटके महसूस हुए। गाजियाबाद के रहने वाले गोपाल ने कहा कि झटके 15 सेकंड से ज्यादा देर तक महसूस हुए। उन्होंने कहा, मुझे खिड़की के शीशे की खड़खड़ाहट भी सुनाई दी। भूकंप के झटके दिल्ली से सटे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए, जिसके चलते ऊंची इमारतों में रहने वाले कई लोग बाहर निकल आए। नोएडा सेक्टर-76 में एक ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के निवासी प्रत्यूष सिंह ने कहा, वास्तव में बहुत तेज झटके महसूस हुए। यह एक बेहद डरावना एहसास था। भूकंप के झटके उत्तर प्रदेश के लखनऊ, बस्ती, बाराबंकी, फिरोजाबाद, अमेठी, गोंडा, प्रतापगढ़, भदोही, बहराइच, गोरखपुर और देवरिया जिलों के अलावा बिहार के कटिहार, मोतीहारी तथा पटना में भी महसूस किए गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में किसानों को पराली जलाने से रोकने गये अधिकारी से ही किसानों ने जलवायी पराली

चण्डीगढ़। पराली जलाने का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में हैं। जैसे जैसे अक्टूबर-नवंबर आता है पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की प्रक्रिया की जाती है जिसकी वजह से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पिछले काफी सालों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या बनी हुई है। तमाम राजनीतिक वादों के बाद भी दिल्ली की प्रदूषण की समस्या जस की टस बनी हुई है। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी की सरकार होने के कारण केजरीवाल सरकार प्रदूषण को लेकर थोड़ा सतर्क है और वह पंजाब के किसानों को पराली न जलाने का निर्देश दे रही है। ऐसे में कई जगहों पर सरकारी अधिकारी खेतों में जाकर इस्पेक्शन कर रहे हैं। किसानों को पराली न जलाने के निर्देश दे रहे हैं। अब ऐसे में पराली जलाने को लेकर किसानों की मनमानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं पराली जलाने से रोकने आये एक सरकारी अधिकारी को किसानों से चारों और से घेर लिया और खुद सरकारी अधिकारी से पराली जलवायी। इस वीडियो को देखने के बाद आप देख सकते हैं कि प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार और उनके कर्मचारी कितने गंभीर हैं। ये वीडियो बठिंडा पंजाब का बताया जा रहा है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि सरकारी अधिकारी किसानों को अकेले पराली जलाने से रोकने आये हैं। उनके साथ कोई सुरक्षा नहीं नहीं थी। पंजाब सरकार सरकारी कर्मचारियों, पर्यावरण और किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। केजरीवाल के झूठे वादे एक बार फिर जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर की हवा 25-30 सिगरेट के धुएं के बराबर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। शनिवार को भी हवा का स्तर 'गंभीर' कैटेगरी में बना हुआ है। शनिवार सुबह दिल्ली में ओवरऑल एयर क्वालिटी इंडेक्स 504 रहा। वहीं, इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 571, धीरपुर में 542, नोएडा में 576 और गुरुग्राम में 512 एक्यूआई दर्ज किया गया। एयर क्वालिटी को लेकर गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल के डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि 400-500 एक्यूआई वाली हवा 25-30 सिगरेट के धुएं के बराबर है। इसका असर सभी एज ग्रुप के लोगों पर पड़ता है। प्रेग्नेंट महिलाओं में जहरीली हवा पेट में पल रहे बच्चे को भी नुकसान पहुंचाती है।

अंबानी को धमकी देने वाला गिरफ्तार

मुंबई। मुकेश अंबानी को धमकी भरे ई-मेल भेजने के आरोप में एक शख्स को तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया है। महाराष्ट्र की गामदेवी पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 19 साल के गणेश रमेश वनपारधी के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया और 8 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। मुकेश अंबानी को 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जान से मारने की धमकी भरे पांच ई-मेल भेजे गए थे। इसमें 400 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। पुलिस ने बताया था कि सभी धमकियां एक ही मेल आईडी से मिली हैं। अंबानी को धमकी भरा पहला मेल 27 अक्टूबर को मिला था। इसमें 20 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। अगले दिन 28 अक्टूबर को फिर एक मेल मिला। इसमें रकम बढ़ाकर 200 करोड़ रुपए कर दी गई। फिर 30 अक्टूबर को को भी मेल आया, इसमें 400 करोड़ रुपए की मांग की गई। मेल में कहा गया कि अगर पैसे नहीं मिले तो देश के बेस्ट शूटर्स से उनको मरवा दिया जाएगा।

एआरडी विभाग ने अफीकी स्वाइन फ्लू को फैलने से रोकने के लिए सूअरों को मारने का अभियान चलाया

अगरतला। त्रिपुरा सरकार के पशु संसाधन विकास (एआरडी) विभाग ने अफीकी स्वाइन फ्लू को फैलने से रोकने के लिए खोवाई जिले में सूअरों को मारने का अभियान चलाया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिले के बाटापारा स्थित एक सूअर फार्म में अफीकी स्वाइन फ्लू के कारण कुछ सूअरों की मौत हो जाने के बाद शुक्रवार को यह अभियान चलाया गया। एआरडी के उप निदेशक प्राण कुमार दास ने पीटीआई- से कहा, अफीकी स्वाइन फ्लू को फैलने से रोकने के लिए शुक्रवार को बाटापारा गांव में कुल 14 सूअरों को मारा गया। अभियान खत्म हो गया है। हम दिशानिर्देश के अनुसार शनिवार को स्वच्छता और कीटाणुशोधन अभियान चलाएंगे। उन्होंने बताया कि दो निगरानी टीमें बाटापारा और दो अन्य नजदीकी गांवों में एहतियातन कदम उठा रही हैं, ताकि यह पता चल सकें कि स्वाइन फ्लू का कोई और मामला तो नहीं है। दास ने कहा कि त्रिपुरा सरकार ने अफीकी स्वाइन फ्लू के प्रकोप से बचने के लिए पड़ोसी राज्यों असम और मिजोरम से सूअर के बच्चों के आयात पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है।

सुकेश ने जेल से की 11 किलो सोना और 101 हीरे का मुकुट दान करने की अपील

नई दिल्ल। दिल्ली की जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने राम लला मंदिर में 11 किलो सोना और 101 हीरे का मुकुट दान करने की अपील करते हुए जेल प्रशासन के माध्यम से ट्रस्ट को एक पत्र लिखा है। मिली जानकारी के अनुसार वह अयोध्या राम मंदिर में रामलला की मूर्ति के लिए 11 किलो सोने और 101 हीरों से जड़ा मुकुट दान करना चाहता है। इसके लिए उसने जेल से एक पत्र लिखा है और मूर्ति दान करने की अनुमति मांगी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रमुख को लिखी दो पेजों की इस चिट्ठी में उसने लिखा है कि वो रामलला की मूर्ति के लिए एक मुकुट दान करना चाहता है। सुकेश ने चिट्ठी में लिखा है कि वो अपने सामर्थ्य अनुसार दान कर रहा है। उसने बताया कि वो यहां जिस मुकुट की बात कर रहा है वो 11 किलो के 916 कैरेट सोने से बना है। इसके साथ ही ये मुकुट 101 हीरों से जड़ा हुआ है और हर एक हीरे का वजन 5 कैरेट है। सुकेश चंद्रशेखर ने चिट्ठी में बताया है कि वो और उसका परिवार भगवान श्री राम के बहुत बड़े भक्त हैं और उनके लिए ऐसा मुकुट दान करना उनका सपना सच होने जैसा है। उसने कहा, हमारे पास आज जो कुछ भी है, वो भगवान राम के आशीर्वाद से है। ऐसे में हमारा छोटा सा योगदान इस महान मंदिर का हिस्सा बनेगा, ये हमारे लिए बहुत बड़ा आशीर्वाद है। सुकेश ने इस चिट्ठी में मुकुट बनाने वाले ज्वेलर के बारे में भी बताया है और कहा कि उसके खास निर्देशों के मुताबिक ही इस मुकुट को डिजाइन किया गया है। सुकेश के मुताबिक सन 1900 से ज्वेलरी बनाने का काम कर रहे दक्षिण भारत के एक ज्वेलर ने ये शानदार मुकुट तैयार किया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बढ़ते प्रदूषण के लिए दिल्ली की बसों को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बसों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, पिछले दो दिनों से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। आज उसमें थोड़ी गिरावट आई है। कल सुबह 10.30 बजे के आसपास एक्यूआई 450 से ऊपर था। आज यह 40 के आसपास दर्ज किया गया है। अगले दिनों भी दिल्ली में प्रदूषण गंभीर स्थिति में रहेगा। उन्होंने कहा कि, दिल्ली के आसपास बढ़े हुए प्रदूषण स्तर को देखते हुए जीआरएपी-3 लागू किया गया है, जिसके तहत दिल्ली में निर्माण रोक दिया गया है, पानी का छिड़काव बढ़ा दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बार फिर बीजेपी-आप में दिल्ली में स्मॉग टावर्स को लेकर बड़ी लड़ाई सामने आ गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने बीजेपी पर हमला बोला और कहा कि, स्मॉग टावर्स को बंद करना एक साजिश है। उन्होंने कहा कि, भाजपा नेता स्मॉग टावरों पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2020 को दिल्ली में दो स्मॉग टावर लगाने का आदेश दिया था। एक सीपी में दिल्ली सरकार द्वारा, दूसरा आनंद विहार में केंद्र द्वारा। दिल्ली सरकार ने 25 करोड़ रुपये के बजट पर स्मॉग टावर स्थापित करने को मंजूरी दी। अगस्त 2021 में दिल्ली में स्मॉग टावर का उद्घाटन सीएम केजरीवाल ने किया था। आईआईटी-बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली को स्मॉग टावर्स पर अध्ययन करना था। स्मॉग टावर काम कर रहे थे, अध्ययन चल रहा था। पहली बार, डीपीसीसी अध्यक्ष को स्पेशल ड्यूटी पर नियुक्त किया गया था। डीपीसीसी अध्यक्षकुमार ने वास्तविक समय प्रदूषण अध्ययन केंद्र को बंद करवा दिया और स्मॉग टावरों के लिए भुगतान रोक दिया। संचालन एवं प्रबंधन हेतु अंतिम 2सीआर का भुगतान अश्विनी कुमार द्वारा रोक दिया गया था। बता दें कि, प्रदूषण को लेकर दिल्ली में महासंग्राम छिड़ गया है। आप ने भाजपा/केंद्र पर डीपीसीसी अध्यक्ष के माध्यम से दिल्ली प्रदूषण अध्ययन केंद्र और स्मॉग टावरों को रोकने का आरोप लगाया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष प्रदूषण पर स्टडी भी रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी द्वारा दिल्ली में प्रदूषित बसें भेजना उनका जानबूझकर किया गया प्रयास लगता है।

'मिया' वोटों की उम्मीद नहीं, हिमंत सरमा बोले- मूल असम मुसलमानों पर ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि उन्हें 'मिया मुसलमानों' से वोट की उम्मीद नहीं है। गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए हिमंत सरमा ने यह भी कहा कि उन्होंने मेडिकल कॉलेजों का दौरा इसलिए नहीं किया क्योंकि वहां मिया मुस्लिम हैं। 'मिया' असम में बंगाली भाषी या बंगाल मूल के मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे मिया मुसलमानों से वोट की उम्मीद नहीं है। मैं मेडिकल कॉलेजों का दौरा नहीं करता क्योंकि वहां मिया मुसलमान अधिक संख्या में हैं।

हिमंत सरमा ने आगे कहा कि वह और उनकी पार्टी राज्य में स्वदेशी मुसलमानों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम असम के मूल मुसलमानों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। असम के मूल मुसलमानों को छोड़कर, मैं कभी भी मुसलमानों से वोट की उम्मीद नहीं करता। यह बहुत दुखद है कि हर मेडिकल कॉलेज में मिया मुस्लिम हमारे मूल युवाओं से अधिक हैं। मैंने ज्यादा जाना बंद कर दिया है अब इन कॉलेजों के लिए। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ का असम में मुस्लिम समुदाय के साथ वोट का रिश्ता है और वर्षों से डर का माहौल बनाकर उनसे वोट मांगे गए हैं।

सरमा ने कहा कि दोनों दलों का प्रवासी मूल के मुसलमानों के साथ वोट मिलने तक का रिश्ता है, लेकिन उन्होंने उनके विकास के लिए या उन क्षेत्रों में जहां वे रहते हैं, कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा, उन्होंने कोई सड़क, पुल, स्कूल नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में हमने स्वदेशी असमिया मुसलमानों की जीवन स्थितियों में सुधार के लिए उपाय किए हैं और जल्द ही उन पर एक सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा। इस बीच, असम स्थित ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख और धुबरी से सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने हिमंत सरमा को जवाब देते हुए कहा कि मिया मुसलमानों के काम नहीं करने से गुवाहाटी वीरान हो जाएगा।

केन्द्र सरकार ही ढूंढ सकती है मराठा आरक्षण मुद्दे का समाधान : संजय राउत

मुंबई। उद्धव ठाकरे बालासाहेब गुट के शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि केवल केंद्र सरकार ही मराठा आरक्षण मुद्दे का समाधान निकाल सकती है। लेकिन केन्द्र सरकार की इसकी चिंता ही नहीं है। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र जल रहा है तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। राज्यसभा सांसद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उनके दल का मानना है कि महाराष्ट्र में मराठाओं को आरक्षण दिया जाना चाहिए लेकिन इसके लिए अन्य समुदायों के मौजूदा कोटे से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। संजय राउत ने कहा कि केवल केंद्र सरकार ही ऐसा मराठा आरक्षण मुद्दे का हल निकाल सकती है। इस दौरान संजय राउत ने सवाल उठाते हुए कहा कि मोदी को मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे से बात करनी चाहिए जो आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। राउत ने सवाल उठाया कि इस समय लोग आत्महत्या कर रहे हैं। अगर जरांगे को कुछ हो गया तो महाराष्ट्र जलेगा। क्या आप महाराष्ट्र को जलने देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय की मांग को पूरा करना एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की भी जिम्मेदारी है। मीडिया में छपी एक खबर के अनुसार सांसद संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र में आग लगी हुई है। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र में लोग आत्महत्या कर रहे हैं। मनोज जारांगे पाटिल की जान खतरे में है। अगर उनके जीवन के साथ कुछ बुरा होता है, तो महाराष्ट्र बुरी तरह से जल जाएगा। क्या सरकार महाराष्ट्र में आग लगाना चाहती है? क्या यह सब इसी बारे में है? पीएम मोदी को कम से कम मनोज जारांगे पाटिल से फोन पर बात करनी चाहिए। ले?किन उनके पास तो बात करने का भी समय नहीं है।

मध्य प्रदेश में विपक्ष पर गरजे अमित शाह, कहा- कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन, सांप्रदायिक दंगे, आपराधिक राजनीति फॉर्मूले पर चल रही है

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार (4 नवंबर) को लोगों से आगामी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने 18 साल के शासन में सभी समुदायों के कल्याण के लिए काम किया और इसे एक मजबूत राज्य बनाया। अमित शाह ने कहा कि 'बेमिसाल राज्य' जबकि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को 'बीमारू राज्य' बना दिया था। उन्होंने कांग्रेस पर 'अपना खजाना भरने' के लिए काम करने का आरोप लगाया और कहा कि इसके विपरीत, भाजपा ने राज्य का विकास किया है। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

शाह, जिन्होंने आज मध्य प्रदेश के शिवपुरी का दौरा किया, ने एक चुनाव अभियान को संबोधित किया और राज्य में अपने पिछले शासन के लिए कांग्रेस की आलोचना की और आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने लाभ के लिए काम किया। शाह ने कहा कांग्रेस पार्टी 4सी फॉर्मूले पर चलती है: सी- भ्रष्टाचार, सी- कमीशन, सी- सांप्रदायिक दंगे, सी- आपराधिक राजनीति। मध्य प्रदेश को इन 4सी से बचाने और विकास की धारा में लाने के लिए बीजेपी को वोट देना बहुत जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि '...कांग्रेस ने जब भी शासन किया, केवल अपना खजाना भरने का काम किया। जबकि भाजपा ने विकास के लिए काम किया। आज मैं कमलनाथ से कहने आया हूं कि अगर उनमें थोड़ी भी हिम्मत है तो जवाब दें - जब उन्होंने 2002 में मध्य प्रदेश छोड़ा था, यहां का बजट केवल 23 हजार करोड़ रुपये था। आज भाजपा के 18 साल के शासनकाल में यहां का बजट बढ़कर 3 लाख 14 हजार करोड़ रुपये हो गया है...'

'डबल इंजन सरकार'

गृह मंत्री ने लोगों से 'डबल इंजन सरकार' को दोहराने के लिए कहा और कहा कि इसने राज्य को 'बीमारू राज्य' से 'बेमिसाल राज्य' में बदल दिया है। उन्होंने कहा अपना वोट डालते समय यह न सोचें कि आप विधायक, मुख्यमंत्री चुनने या भाजपा को सत्ता में लाने के लिए मतदान कर रहे हैं। लेकिन वोट करते समय, ध्यान रखें कि डबल इंजन सरकार ने मध्य प्रदेश को 'बीमारू राज्य' से 'बेमिसाल राज्य' में बदल दिया... आपका एक वोट सुनिश्चित करेगा कि अगले 5 वर्षों में यहां किसकी सरकार होगी। शाह ने कहा एक तरफ कांग्रेस है जिसने मध्य प्रदेश को कई वर्षों तक अंधेरे में रखा, इसे 'बीमारू' राज्य बना दिया। दूसरी तरफ भाजपा सरकार है, जिसने 18 वर्षों में किसानों, दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं, आदिवासियों और युवाओं के कल्याण के लिए काम किया है।

शाह ने कमलनाथ को निशाने पर लिया

उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कमल नाथ दोबारा मुख्यमंत्री बने तो वह शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर देंगे। कमलनाथ ने शिवराज सिंह सरकार द्वारा संचालित 51 से अधिक गरीब कल्याण योजनाओं को बंद कर दिया। लेकिन अगर कमल नाथ दोबारा आए तो लाडली बहना योजना भी बंद हो जाएगी और किसानों को 12,000 रुपये मिलना भी बंद हो जाएगे।'

स्मृति ईरानी के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- बीजेपी कर रही है बदले की राजनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को संकटग्रस्त महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों से 508 करोड़ मिलने के प्रवर्तन निदेशालय के दावे के एक दिन बाद बघेल ने इसका दृढ़ता से खंडन किया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पूछा कि क्या बघेल अपनी ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। महादेव ऐप चर्चा में है क्योंकि हाल ही में दुबई स्थित इस प्लेटफॉर्म के संबंध में कई बॉलीवुड हस्तियों से पूछताछ की गई थी। ईडी ने कहा कि उसने एक वेब बेनामी बैंक खाते और राज्य में चुनाव के लिए कुछ 'बघेलों' को दिए गए ?508 करोड़ के फंड से जुड़े एक कबूलनामे का खुलासा किया। बघले ने आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि क्या इससे बड़ा मजाक हो सकता है? अगर आज मैं किसी को पकड़ लूं और उससे पीएम मोदी का नाम लेने के लिए कहूं, तो क्या वे (ईडी) उससे पूछताछ करेंगे? किसी की प्रतिष्ठा को धूमिल करना बहुत आसान हो गया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने स्मृति इराई की शनिवार सुबह की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जैसे ही बीजेपी सुबह-सुबह ईडी के बचाव में खुलकर सामने आई, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में ईडी और बीजेपी के बीच मिलीभगत साबित हो गई। बता दें कि बीजेपी की तरफ से पूरे मामले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। स्मृति ईरानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में महादेव ऐप के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थीं। दोनों राज्यों में, भाजपा सत्ता में नहीं है। तो फिर भूपेश बघेल के खिलाफ साजिश कौन कर रहा है? स्मृति ईरानी ने कहा कि यह मामला हाल का नहीं है।

रूस ने भारत से 24 मालवाहक जहाज खरीदे, तो बढ़ गई अमेरिका की चिंता

नई दिल्ली। रुस और भारत के बीच 24 मालवाहक जहाज खरीदी की डील से अमेरिका में चिंता व्याप्त हो गई है। वहीं रूस ने भारतीय रुपए को खर्च करने का एक अच्छा विकल्प खोज लिया है। रूस ने एक भारतीय शिपयार्ड को 24 मालवाहक जहाजों का ऑर्डर दिया है। जानकार बता रहे हैं ?कि रूस ने भारत को करोड़ों बैरल कच्चा तेल बेचकर कमाए गए रुपयों को खर्च करने का एक बेहतर तरीका ढूंढ लिया है। गौरतलब है कि पेमेंट में आ रही समस्याओं के कारण रूस के एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की दो बैट्री की डिलीवरी में देरी हो रही थी। ऐसे में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) और रूसी निर्यात केंद्र के बीच सहयोग की घोषणा हुई। बता दें कि रूसी अधिकारी एस-400 की शेष दो बैटरियों की डिलीवरी कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए भारत में थे। माना जा रहा है कि भारत सरकार के स्वामित्व वाली जीएसएल 2027 तक 24 मालवाहक जहाजों का निर्माण कर देगी जो कैस्पियन सागर में चलेंगी। पश्चिम के प्रतिबंधों के बावजूद भारत रूस से व्यापार कर रहा है। यह डील दोनों ही देशों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2022 में भारत ने रूस को मशीनरी, रसायन, समुद्री उत्पाद और दवाइयों समेत 3,139 चीजों का निर्यात किया, जिसकी कीमत 3.14 अरब अमेरिकी डॉलर थी। वहीं, आयात के मामले में, भारत ने वित्तीय वर्ष 2022 में रूस से 1,225 वस्तुओं का आयात किया, जिनमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, कीमती पत्थर और वनस्पति तेल शामिल हैं, जिनकी कीमत 46.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। जानकार बता रहे हैं ?कि ये दोनों देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं।

आईएएस अधिकारी राजशेखर को क्लीन चिट, केजरीवाल सरकार के लिए सिरदर्द

-उच्च स्तरीय समिति ने आरोपों को बेबुनियाद बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के आईएएस अधिकारी वाईवीजे राजशेखर के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में उन्हें 'क्लीन चिट दे दी है। यह रिपोर्ट आईएएस अधिकारी राजशेखर के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। हाई पावर कमेटी ने उनके ऊपर लगे आरोपों को 'बेबुनियाद' और 'मनगढ़ंत' करार दिया था। कमेटी ने रिपोर्ट में बताया है कि निलंबित आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय और उनकी पत्नी शिल्पी राय सहित कई लोगों ने अधिकारियों के समक्ष आधे दर्जन से अधिक शिकायतें दर्ज कराई थीं। आईएएस अधिकारी राय और उनकी पत्नी शिल्पी की अधिकांश शिकायतों में धमकी देने, परेशान करने, पद का दुरूपयोग करने और इस तरह के अन्य कृत्यों में शामिल रहने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सेवाएं एवं गृह विभाग के प्रधान सचिव और सतर्कता निदेशालय के सचिव की सदस्यता वाली तीन सदस्यीय समिति का गठन सितंबर में किया गया था। राजशेखर वर्तमान में विशेष सचिव (सतर्कता और राजस्व) के रूप में कार्यरत हैं। उनके के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए सितंबर में सेवा और गृह विभागों के प्रमुख सचिवों और सतर्कता निदेशालय के सचिव की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। जांच के बाद उच्च स्तरीय समिति ने बताया कि इस वर्तमान में विशेष सचिव (सतर्कता एवं राजस्व) के रूप में पदस्थ राजशेखर के खिलाफ शिकायतों की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई थी। समिति ने रिपोर्ट में कहा है, आईएएस राजशेखर के खिलाफ शिकायतों में लगे आरोप बेबुनियाद, मनगढ़ंत और काल्पनिक हैं। दरअसल राय और उनकी पत्नी के अलावा एवी प्रेमनाथ ने भी राजशेखर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। प्रेमनाथ को गृह मंत्रालय ने अब सेवानिवृत्त कर दिया है। बता दें कि दिल्ली सरकार में विशेष सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्यरत और आईएएस अधिकारी राजशेखर का रिश्ता केजरीवाल सरकार के खिलाफ अच्छा नहीं रहा। सीएम आवास विवाद, स्कूलों में कमरों के निर्माण, आबकारी घोटाला, सहित कई मामलों में उन्होंने अनियमितता का खुलासा किया था। उनकी इस कार्रवाई से दिल्ली सरकार के लिए आज भी सिरदर्द साबित हो रही हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा- गठबंधन साथियों को धोखा देने वाली पार्टी है कांग्रेस

लखनऊ (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन में बिखराव का एक और अध्याय सामने आ गया है। हम आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच मतभेद इतने गहरा गये हैं कि इसका असर लोकसभा चुनावों में दोनों दलों के गठबंधन पर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांगेस पर उनकी पार्टी को 'जातिवादी और वंशवादी' बताने के लिए निशाना साधते हुए कहा है कि कांग्रेस अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जैसी ही भाषा बोल रही है। अखिलेश यादव ने साथ ही यह भी कहा है कि यह तो अच्छा हुआ कि हमें पहले ही कांग्रेस की मंशा का पता चल गया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस का इतिहास गठबंधन साथियों को धोखा देने वाले का रहा है। अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी में कांग्रेस की ओर से सेंध लगाये जाने पर भी नाराजगी जताई।

हम आपको बता दें कि अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए सपा का प्रचार करते हुए छतरपुर जिले के चंदला में कहा, ''यह कांग्रेस ही थी जिसने मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया।'' यादव ने कहा, %%कांग्रेस कहती है कि सपा 'जातिवादी और वंशवादी' पार्टी है, तो फिर उसमें और भाजपा में क्या अंतर है? वे दोनों एक ही भाषा बोलते हैं।'' अखिलेश यादव ने कहा कि वंशवादी राजनीति हर पार्टी में मौजूद है। उन्होंने कहा कि जो भी सामाजिक न्याय की बात करेगा उसे जातिवादी होने का आरोप झेलना पड़ेगा। राज्य में कांग्रेस द्वारा सपा उम्मीदवारों की खरीद-फरोख्त पर यादव ने कहा, ''यह उनके इरादों को दर्शाता है...उन्हें ऐसा करने दीजिए। मध्य प्रदेश के लोगों ने देखा है कि यह कांग्रेस ही थी जिसने गठबंधन को खारिज कर दिया था।%% हम आपको बता दें कि अखिलेश यादव चंदला में पार्टी प्रत्याशी पुष्पेंद्र अहिरवार के समर्थन में एक आमसभा को संबोधित करने आये थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि कुछ दल सपा को जातिवादी कह रहे हैं, लेकिन ÷समाजवादी कभी भी जातिवादी नहीं हो सकते क्योंकि वे सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं।÷ उन्होंने आश्वासन दिया कि जब भी सपा सत्ता में आएगी या उसके समर्थन से राज्य में सरकार बनेगी, तो सबसे पहले जातीय जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि चंदला की जनता ने दो बार सपा प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया है और इस बार भी वह उसकी जीत सुनिश्चित करेगी।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बारे में सपा प्रमुख यादव ने कहा कि इस पर लोकसभा चुनाव के समय चर्चा की जाएगी, क्योंकि केवल ÷पीडीए÷ (पिछड़ा, दलित और आदिवासी) की ताकत ही भाजपा को हरा सकेगी। उन्होंने एक प्रश्न पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ ÷बुजुर्ग÷ हैं, लेकिन सत्तारुढ़ भाजपा के पास मध्य प्रदेश में संभागों की संख्या से अधिक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

चुनाव के बाद किसी पार्टी को समर्थन देने पर यादव ने कहा कि वह केवल उसी पार्टी को समर्थन देने पर विचार करेंगे जो जातीय जनगणना कराएगी। हालाँकि, यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस बयान पर टिप्पणी करने से परहेज किया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में कुछ भी नहीं हो रहा है, उन्होंने कहा कि वह इस बारे में बाद में बात करेंगे। सपा प्रमुख यादव ने कहा, ''भाजपा भी अब पिछड़े वर्गों को अधिक टिकट देने की बात कर रही है। यह मानसिकता में बड़े बदलाव को दर्शाता है। यहां तक कि कांग्रेस, जिसने आजादी के बाद जातीय जनगणना कराना बंद कर दिया था, अब इसके बारे में बात कर रही है...इसका मतलब है कि उन्हें पीडीए की ताकत का एहसास हो रहा है।'' दलित या पिछड़े वर्ग के किसी सदस्य को मुख्यमंत्री बनाने के चुनावी वादे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों कभी भी दलितों और पिछड़े वर्गों के पक्ष में निर्णय नहीं लेंगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सुमुल डेयरी में कर्मचारियों की भर्ती राज्य सरकार की देखरेख में करने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड (सुमुल डेयरी) कार्यरत है जिसमें लाखों किसान और पशुपालक सदस्य हैं। संस्था में राजनैतिक दखलअंदाजि के कारण प्रशासकों और सदस्यों के बीच अक्सर विवाद सामने आते रहते हैं और ये विवाद कोर्ट-कचहरी तक पहुंच रहे हैं।

सूरत के स्थआनिय सहकारिता एवं किसान नेता तथा गुजरात प्रदेश कांग्रेस के महासचिव दर्शन नायक ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में सूरत जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति लिमिटेड (सुमुल डेयरी) द्वारा तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इस भर्ती प्रक्रिया में नौकरी के लिए आवेदकों के दस्तावेज़ सत्यापन का कार्य पूरा हो गया है। जिन आवेदकों ने आवेदन किया है, उनमें से कुछ आवेदकों ने मुझे आवेदन दिया गया है कि च्उनका नाम गलत तरीके से भर्ती प्रक्रिया से कम कर दिया गया हैज्।

आवेदनों के अनुसार, वर्तमान में इस भर्ती प्रक्रिया में, विशिष्ट उम्मीदवारों के चयन के लिए सुमुल डेयरी निदेशकों, राजनीतिक नेताओं और पदाधिकारियों के साथ-साथ सहकारी नेताओं द्वारा सिफारिशें की जा रही हैं। कुछ समय पहले सूरत में सहकारी संस्थाओं में क्लर्कों की भर्ती प्रक्रिया में पर्याप्त योग्यता के बिना निदेशकों, राजनीतिक नेताओं और पदाधिकारियों की सिफारिशों पर रिश्तेदारों की भर्ती की गई जिसके कारण सक्षम और योग्य उम्मीदवारों के साथ गलत व्यवहार किया गया और इस संबंध में राज्य सहकारिता विभाग एवं एन.ए.बी. एजेंसी से शिकायत के बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

सुमुल डेयरी स्टाफ की मौजूदा भर्ती प्रक्रिया में भी ऐसी ही शिकायतें सामने आ रही हैं। और ओ.बी.सी. समाज के किसानों और पशुपालक परिवारों के स्थानीय आवेदकों को प्राथमिकता नहीं दी गई। सुमुल डेयरी के कर्मचारियों की वर्तमान भर्ती में ऐसी स्थिति नहीं है, अधिकांश सदस्य एससी, एसटी और ओबीसी हैं। साथ ही, चूंकि वे आदिवासी समाज से हैं, इसलिए इस परिवार से योग्य आवेदकों की भर्ती करना आवश्यक है। ताकि मौजूदा सुमुल डेयरी में कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया राज्य सरकार की एक स्वतंत्र संस्था/एजेंसी की देखरेख में की जाए और इस परीक्षा के मुख्य प्रभारी के रूप में आई.पी.एस. भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए किसी अधिकारी की देखरेख में किया जाना आवश्यक है।

मेरे उपरोक्त अभ्यावेदन को ध्यान में रखते हुए सुमुल डेयरी में कर्मचारियों के रिक्त पदों हेतु लिखित परीक्षा एवं मौखिक साक्षात्कार का आयोजन किया जाना शेष है जो कि वर्तमान में कर्मचारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यदि लिखित परीक्षा एवं मौखिक साक्षात्कार की यह सम्पूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से और लिखित परीक्षा कराई जाए ताकि केवल योग्य उम्मीदवारों को ही नौकरी मिल सके। और मौखिक साक्षात्कार प्रक्रिया जनहित में गुजरात माध्यमिक सेवा आयोग जैसी स्वतंत्र सरकारी एजेंसी से की जानी चाहिए। ।

चिंता मत करो संत राजिंदर सिंहजी महाराज

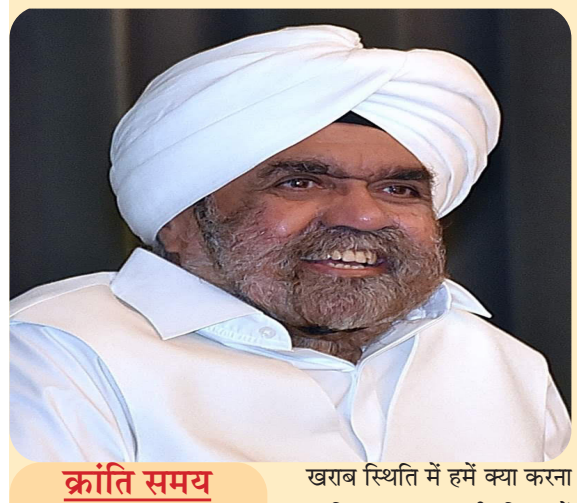

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इस तेज रफ्तार की दुनिया में बहुत से लोग चिंता और व्यग्रता से ग्रस्त है। चाहे वह व्यापारी हो या नौकरीपेशा, स्कूली छात्र हो या 80 साल का, अमीर व्यक्तिहो या भिखारी हर कोई किसी न किसी कारण से चिंता करता है। हमारे व्यक्तिगत जीवन में बुरी स्थितियों के बारे में चिंतित होना स्वाभाविक है लेकिन यह अनुचित स्तर तक बढ़ जाता है। चिंता का यह उच्च स्तर हमारी भावनात्मक ऊर्जा को सोख लेता है, हमारी चिंता के स्तर को बढ़ा देता है और हमारी उत्पादकता में बाधा डालता है जिससे हमारा दैनिक जीवन प्रभावित होता है। चिंता एक हिलती हुई खुशी की तरह है यह हमेशा गतिशील रहती है लेकिन यह किसी को कहीं नहीं ले जाती।

अक्सर हम खुद पर भरोसा करते हैं कि हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। फिर भी कभी-कभी सभी प्रयासों के बाद भी हम असफल हो जाते हैं। हम क्या होगा की चिंता के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं और हमेशा सोचते रहते हैं कि हमारे जीवन में सबसे खराब स्थिति में हमें क्या करना चाहिए? हम अपनी चिंताओं को कैसे खत्म कर सकते हैं? क्या कोई समाधान है?

इस संबंध में एक घड़ी के बारे में एक कहानी प्रचलित है। एक दिन घड़ी ने सोचना शुरू कर दिया कि उसे कितनी बार टिक टॉक करना होगा। यह सोचने लगी कि उसे प्रति मिनट 60 बार टिक करना है। फिर उसे 60 बार प्रति मिनट गुना 60 मिनट प्रति घंटा पर ठीक करने के लिए 3600 बार प्रति घंटा के बराबर करना होगा। फिर दिन में 3600 बार प्रति घंटे के हिसाब से 24 घंटे में 86400 बार टिक करना होगा फिर घड़ी ने सोचा शुरू कर दिया कि उसे प्रत्येक सप्ताह महीने और वर्ष में कितनी बार टिक टिक करना होगा। जब तक कि वह घबरा ना जाए। यह बहुत ज्यादा काम है। मैं इस काम का बोझ कैसे जेल पाऊंगी? घड़ी इतनी चिंतित हो गई के चिंता के कारण उसकी धड़कनें छूटने लगी। जल्द ही उसका समय खत्म हो गया। मालिक द्वारा निकल जाने से चिंतित होकर घड़ी एक मनोचिकित्सक के पास गई। घड़ी ने कहा डॉक्टर में वास्तव में चिंतित हूं। मैं बहुत चिंतित हूं कि मेरा टिकट अब ठीक से टिक नहीं कर रहा है। डॉक्टर ने कहा तुम किस बात की चिंता कर कर रही हो? घड़ी ने कहा"मुझे इस बात की चिंता है कि मुझे प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक मां प्रत्येक वर्ष कितनी बार टिक टिक करनी पड़ेगी। डॉक्टर ने कहा "आपकी चिंता के कारण आप इन सभी धड़कनों को भूल रही हो। मेरे पास आपके लिए एक समाधान है।"वह क्या है?" घड़ी ने पूछा।

डॉक्टर ने पूछा" तुम्हें एक समय में कितनी टिक लगानी है?"घड़ी ने कहा बस एक समय में एक बार। डॉक्टर ने कहा तब मैं सलाह देता हूं कि अपनी सारी ऊर्जा का उपयोग एक समय में एक टिक लगाने पर ध्यान केंद्रित करो। यदि आप एक समय में केवल एक के बारे में चिंता करते हैं तो आप ठीक रहेंगे।

घड़ी ने मनोचिकित्सक की सलाह मान ली और उसे समय से एक समय में एक टिक पर ही ध्यान केंद्रित किया और कभी भी समय गवाए बिन खुशी से रहने लगी।

इस कहानी में यह सबक है कि जीवन एक समय में एक टिक लेना है। वर्तमान क्षण में जियो और आने वाले सेकंड और मिनट के बारे में चिंता मत करो। यदि आप स्वयं को किसी विशेष विचार में भ्रमित पाते हैं तो अपना ध्यान वर्तमान क्षण पर वापस लाएं।

बीती बातें भूल जाए भविष्य अभी बाकी है कल की चिंता कभी भी उसके दुखों को खत्म नहीं करती जबकि वह आज की खुशियों को खत्म कर देती है। यह महज संयोग नहीं हो सकता कि present शब्द का अर्थ उपहार भी है वर्तमान क्षण ईश्वर का एक उपहार है। हम अतीत या भविष्य की चिंता में इस उपहार को व्यर्थ ना करें। लिए हम जीवन को जीना सीख कर इस उपहार का आनंद ले और ईश्वर का धन्यवाद करें।

सूरत से कच्चे हीरे की आयात में कमी के कारण कनाडा की खनन कंपनी दिवालिया हो गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कोरोना काल में एक ओर जहां पूरी दुनिया मंदी की चपेट में थी, वहीं पूरी रफ्तार से दौड़ने वाला हीरा उद्योग भी डेढ़ साल से प्रभावित है। दुनिया में तराशे और पॉलिश किए जाने वाले 10 हीरों में से 9 सूरत में होते हैं, लेकिन पिछले 20 महीनों से हीरा उद्योग गहरी मंदी की चपेट में है। सूरत के हीरा उद्योग में मंदी का असर कनाडा की रफ माइनिंग कंपनियों पर भी पड़ा है। कनाडा की एक प्रमुख रफ खनन कंपनी ने रफ की गिरती मांग के कारण दिवालियापन के लिए आवेदन किया है।

सूरत के एक प्रमुख उद्योगपति ने कहा, 'हीरा उद्योग की हालत लगातार खराब होती जा रही है। आमतौर पर दिवाली पर हीरा उद्योग में तेजी देखी जाती है। 2008 में मंदी के बाद हीरा उद्योग स्थिर था, लेकिन अब हालात बेहद खराब हैं। हीरा उद्योग पिछले 60 साल के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। रफ माइनिंग कंपनियाँ नियमित रफ नीलामी आयोजित करती हैं। जिसमें रफ खनन कंपनियों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर रफ की नीलामी की जाती है। कुछ महीने पहले एक रफ ट्रेडिंग कंपनी द्वारा रफ नीलामी का आयोजन किया गया था, लेकिन रफ हीरों की मांग कम होने के कारण इस कंपनी द्वारा रफ नीलामी को निलंबित कर दिया गया था।

अमेरिका, चीन समेत कई देशों में आभूषण और हीरे जड़ित आभूषणों की मांग घट गई है। जिसके चलते पिछले 20 महीने से हीरा उद्योग में मंदी चल रही है। पिछले जनवरी से अगस्त महीने तक यानी साल 2023 तक भारत से तैयार हीरों के निर्यात में 25 फीसदी तक की कमी आई है। बाज़ार में असंतुलन के कारण स्थिति ख़राब हो गई

ग्रे कपड़ा बेचने से माल खाली हुआ लेकिन अब निर्माताओं को भुगतान का टेन्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :चार-छह महीन से ग्रे कपड़े का स्टोर हुआ था हालांकि, ज्यादातर विनिर्माताओं ने माल को भाव टु भाव बेच दिया ग्रे कपड़े का माल चार छह महीने से कारखानों में संग्रह कर रखा था जिसका निकाल होने पर संख्या में बुनकरों को बड़ी राहत मिली है। लेकिन माल बेचने के बाद अब भुगतान की टेंशन पैदा हो गई है। कोस्ट टु कोस्ट माल बेचने पर कोई लाभ नहीं लेकिन माल का निपटान कर दिया गया है।

निर्माताओं को आखिरकार राहत मिल गई है क्योंकि दिवाली से पहले बड़ी संख्या में व्यापारियों ने ग्रे खरीद लिया था। कई बुनकरों के पास बिना बिके ग्रे माल का बड़ा भंडार था। चालू माल की कमी के कारण फैक्ट्रियों में इतना स्टॉक जमा हो गया था और यह स्टॉक पिछले ४-६ महीनों से गिर रहा था।

सभी प्रकार के ग्रे, चाहे वह सादे करघे हों या जेकक्वार्ड रेपियर, व्यापारियों द्वारा नहीं खरीदे जाते थे। इन सामानों को किसी भी तरह से ठिकाने लगाने की कोशिश भी की गई लेकिन कोई लेने को तैयार नहीं हुआ। लेकिन अब ऐसे सभी ग्रे माल दिवाली से पहले ही बिक गए हैं।

ग्रे के निपटान से निर्माताओं की चिंता कम हो जाती है। लेकिन यह तय है कि कपड़े का भुगतान दिवाली से पहले नहीं आएगा। दिवाली के बाद भी यह तय नहीं है कि यह कब आएगा, इसलिए पेमेंट की टेंशन बनी हुई है। जब फैक्ट्रियों में माल गिर रहा था तो तनाव था और अब माल निकल जाने के बाद भी तनाव बना हुआ है। जैसे ही ग्रे मैटर का निपटान हो जाता है, अब निर्माताओं के लिए नए ग्रे का उत्पादन करने का रास्ता खुल गया है। ग्रे उत्पादन अब कोई समस्या नहीं होगी। क्योंकि दिवाली के बाद शादियों का सीजन शुरूहो जाता है तो काम भी संभालना पड़ता है। व्यापारियों को भी उम्मीद है कि दिवाली के बाद शादी के सीजन का फायदा मिलेगा।

महादेव ऐप प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया : सी.आर. पाटिल

भूपेश बघेल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और कांग्रेस नेताओं को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए: भाजपा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने आज छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टेबाजी एप्लिकेशन घोटाले के संबंध में सूरत शहर भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। सीआर पाटिलजी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव सट्टेबाजी एप्लिकेशन सट्टेबाजी सिंडिकेट के प्रवर्तक विदेशों में बैठे हैं और अपने दोस्तों और सहयोगियों की मदद से पूरे भारत में, खासकर छत्तीसगढ़ से हजारों पैनल चला रहे हैं और उन्होंने हजारों करोड़ रुपये कमाए हैं। ईडी ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 450 करोड़ रुपये से अधिक की आपराधिक कार्यवाही जब्त कर चुकी है। इस मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। असीम दास से पूछताछ और उसके पास से बरामद फोन और शुभम सोनी (महादेव नेटवर्क के हाई-प्रोफाइल आरोपियों में से एक) द्वारा भेजे गए ईमेल की फोरेंसिक जांच से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस मामले में बहुत सारे भुगतान किए गए हैं, जिसके अनुसार महादेव ऐप प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। ईडी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि असीम दास ने स्वीकार किया है कि जब्त की गई राशि को महादेव ऐप के प्रमोटरों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में आगामी चुनाव खर्चों के लिए राजनेता 'बघेल' तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी।

सी.आर. पाटिल ने आगे बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछे हैं और जवाब की उम्मीद भी कर रही है। क्या यह सच है कि असीम दास छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं को शुभम सोनी के माध्यम से पैसे भेज रहा था?, क्या यह सच है कि असीम दास को वॉयस मैसेज द्वारा आदेश दिया गया था कि वह रायपुर जाकर चुनावी खर्च के लिए भूपेश बघेल को पैसे दे?, क्या यह सच है कि पैसा 2 नवंबर को होटल टाइटन में असीम दास से बरामद किए गए थे?, क्या यह सच है कि पीएमएलए के तहत विभिन्न बैंक खातों से 15 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं?, क्या यह सच है कि असीम दास नाम के व्यक्तिसे रु5.30 करोड़ की वसूली हुई ? कांग्रेस को इन सभी सवालों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए जो भारतीय जनता पार्टी ने पूछे हैं।

सी.आर. पाटिल ने आगे बताया कि, इसके अनुसार, महादेव ऐप के प्रमोटरों ने पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित भुगतान किया है और अब तक कुल 508 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमारी मांग है कि भूपेश बघेल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और कांग्रेस नेताओं को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और पूरे देश की जनता को यह बात समझानी चाहिए। जब संयुक्त अरब अमीरात से पैसे लेकर चुनाव लड़ने की कोशिश की जाती है तो चीजें गलत होने की स्वाभाविक संभावना होती है और इसके कारण लोगों का भरोसा भी खो जाता है। महादेव ऐप के माध्यम से इतनी बड़ी मात्रा में पैसा दिया जाना और स्वीकार किया जाना दर्शाता है कि एक बहुत बड़ा घोटाला आकार ले रहा है और इसमें कांग्रेस और कांग्रेस के नेता शामिल हैं।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष महेंद्रभाई पटेल, सूरत शहर प्रभारी सुश्री शीतलबेन सोनी, सूरत शहर अध्यक्ष निरंजनभाई ज़ांज़मेरा, महासचिव मुकेशभाई दलाल, किशोरभाई बिंदल, विधायक संगीताबेन पाटिल, मनुभाई पटेल महापौर दक्षेशभाई मावानी, उप महापौर डॉक्टर नरेंद्रभाई पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजनभाई पटेल, दक्षिण क्षेत्र मीडिया संयोजक श्री राजेशभाई देसाई, सह संयोजक दीपिकाबेन उपस्थित रहीं।

लाजपोर जेल से ड्रग नेटवर्क संचालक गिरफ्तार, एमडी ड्रग्स के कच्चे माल का भंडाफोड़

क्राइम ब्रांच ने सुनील कौशिक को लाजपोर जेल से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत पुलिस की ओर से नो ड्रग्स अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें छह बार ड्रग तस्करों का पीछा किया गया। क्राइम ब्रांच ने नशीली दवाओं के निर्माण कार्य का भंडाफोड़ किया और कच्चा माल जब्त कर लिया। चूंकि इन सभी ऑपरेशनों का मास्टरमाइंड लाजपोर जेल में पाया गया, इसलिए पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

एमडी ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल क्राइम ब्रांच ने राजस्थान से जब्त किया था। क्राइम ब्रांच ने सुनील कौशिक को लाजपोर जेल से गिरफ्तार किया। लाजपोर जेल से आरोपी सुनील कौशिक एम.डी. ड्रग नेटवर्क चला रहा था। पुलिस ने आरोपी को नामदार कोर्ट में पेश किया और पांच दिन की रिमांड पर लिया।

आरोपी को मोबाइल किससे मिला? सिम कार्ड कहां से मिला, ड्रग्स का सप्लायर कौन है? क्या ड्रग्स दूसरे शहरों में बेची गईं, ड्रग्स का कच्चा माल खरीदने के लिए पैसे का इंतजाम कौन कर रहा था? वीरम और गजानंद की गिरफ्तारी तक सुनील कौशिक को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।